खबर संक्षेप

लापरवाही पर बरही नगर परिषद के उपयंत्री को हटाकर

कटनी। नगर परिषद बरही में विकास कार्यों में लापरवाही बरतने के आरोपों पर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए महत्वपूर्ण कार्रवाई की है। नगरीय प्रशासन एवं विकास, जबलपुर संभाग के संयुक्त संचालक ने बरही में पदस्थ उपयंत्री (सब-इंजीनियर) श्रीमती अपेक्षा वर्मा को हटाते हुए नगर परिषद कैमोर के उपयंत्री हिमांशु गौतम को बरही का अतिरिक्त प्रभार सौंप दिया है। बरही क्षेत्र में केंद्र एवं राज्य शासन की विभिन्न निर्माणाधीन योजनाओं की प्रगति उपयंत्री की कार्यशैली के कारण प्रभावित हो रही थी। इस संबंध में नगर परिषद बरही के अध्यक्ष एवं पार्षदों ने संयुक्त संचालक के समक्ष लिखित शिकायत प्रस्तुत कर कार्यों के सुचारू संचालन हेतु वैकल्पिक व्यवस्था की मांग की थी। जनप्रतिनिधियों की शिकायतों और जनहित को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने त्वरित निर्णय लेते हुए यह जिम्मेदारी नगर परिषद कैमोर में पदस्थ उपयंत्री हिमांशु गौतम को सौंपी है। श्री गौतम अपने मूल पदस्थापन के कार्यों के साथ-साथ सप्ताह में दो दिन बरही में उपस्थित रहकर विकास कार्यों की निगरानी एवं सुपरविजन करेंगे। इसके साथ ही उनके बरही प्रवास के दौरान होने वाले यात्रा व्यय (टीए) का भुगतान संबंधित नगर परिषद द्वारा किया जाएगा। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है।

जिला बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति पुनर्गठित

कटनी। 'मिशन वात्सल्य' योजना के प्रभावी क्रियान्वयन, मूल्यांकन और निरंतर समीक्षा के लिए कलेक्टर श्री आशीष तिवारी के निर्देशानुसार जिला बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति का पुनर्गठन किया गया है। पुनर्गठित समिति में कुल 16 सदस्यों को शामिल किया गया है, जिसमें प्रशासनिक अधिकारियों के साथ-साथ 2 गैर-शासकीय सदस्यों को भी जगह दी गई है। जिला बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति के अध्यक्ष कलेक्टर आशीष तिवारी होंगे। जबकि जिला बाल संरक्षण अधिकारी इस समिति के सदस्य सचिव होंगे। साथ ही पुलिस अधीक्षक, जिला पंचायत सीईओ, आयुक्त, नगर पालिक निगम, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ), जिला शिक्षा अधिकारी, जिला श्रम अधिकारी, जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी, उपसंचालक, सामाजिक न्याय, कार्यक्रम अधिकारी, समेकित बाल परियोजना, जिला कौशल विकास अधिकारी, जिला योजना अधिकारी और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के प्रतिनिधि को समिति में पदेन सदस्य बनाया गया है। इसके अलावा समिति में गैर-शासकीय सदस्य के रूप में दीपक तिवारी और अटल बिहारी वाजपेयी को शामिल किया गया है। इस समिति की बैठक हर तीन महीने में अनिवार्य रूप से आयोजित की जाएगी। जिसमें 'मिशन वात्सल्य' के निर्देशों का क्रियान्वयन, मूल्यांकन तथा समीक्षा की जाएगी।

आज जिले की दवा दुकानें रहेंगी बंद, सौंपेंगे ज्ञापन

कटनी। ऑल इंडिया दवा व्यापार बंद के राष्ट्रव्यापी आह्वान पर आज 20 मई को जिले के समस्त दवा व्यापारी एकजुट होकर आंदोलन में भाग लेंगे। इस बंद को व्यापक रूप देने के लिए कटनी जिला दवा विक्रेता संघ के साथ-साथ कटनी मेडिकल एसोसिएशन और मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव संगठन (कटनी) ने भी अपना पूर्ण समर्थन दिया है। दवा विक्रेता संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि यह आंदोलन दवा व्यापारियों के अधिकार, अस्तित्व और व्यवस्थित दवा व्यापार की सुरक्षा के लिए किया जा रहा है। आज बुधवार को प्रातः 10:00 बजे सभी दवा व्यापारी साथी वेंकट लाइब्रेरी में एकत्रित होंगे। सभी व्यापारी एकजुट होकर रैली के रूप में कलेक्टर को ज्ञापन सौंपने के लिए प्रस्थान करेंगे। ज्ञापन सौंपने के पश्चात कलेक्ट्रेट परिसर के पास लगभग 10 मिनट तक शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन और नारेबाजी की जाएगी, ताकि दवा व्यापारियों की जायज मांगें प्रभावी रूप से पहुंच सकें।

हीट वेव से बचाव के लिये प्रशासन द्वारा जारी की गई एडवाइजरी

प्रचंड गर्मी का कहर: आसमान से बरस रही आग, गर्म हवा के थपेड़ों ने किया हाल बेहाल

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

मौजूदा समय में गर्मी का मौसम अपने चरम पर दिखाई दे रहा है। सूर्य देव के तेवर इतने प्रचंड है कि सुबह 9 बजे से ही ऐसा प्रतीत होने लगता है जैसे आसमान से आग बरस रही है। जैसे जैसे समय बढ़ता है वैसे वैसे मौसम और हवा में तपिश इतनी बढ़ जाती है कि जनमानस झुलसने लगता है। घरों से बाहर निकलना मुश्किल हो जाता है, कूलर की ठंडी हवा भी बेअसर लगती है। मौसम विभाग के अनुसार इस तरह की गर्मी से अभी राहत मिलने की उम्मीद नहीं है। प्रचंड गर्मी से बचने एवं बीमार होने से बचने के लिये एडवाइजरी जारी की गई है।

बढ़ती गर्मी में हीट स्ट्रोक से बचें

भारतीय मौसम विभाग द्वारा जारी मौसमी दृष्टिकोण के अनुसार प्रदेश सहित समस्त मध्य भारत में तापमान औसत से अधिक होने की संभावना के दृष्टिगत जन समुदाय को हीट वेव के प्रकोप से बचाव हेतु कलेक्टर आशीष तिवारी ने एडवायजरी जारी की है।

हीटवेव की वजह से सन बर्न होने पर त्वचा पर लाल चकता, सूजन, फफोले, बुखार, सिरदर्द आदि लक्षण दिखते हैं। ऐसी स्थिति में प्राथमिक उपचार के रूप में प्रभावित को बार-बार नहलाए। यदि फफोले निकल आएं हो तो स्टरलाइज ड्रेसिंग करें। चिकित्सक का परामर्श ले।

ताप के कारण शारीरिक ऐठन होंने पर पैरों, पेट की मांसपेसियों भागों में तकलीफ देह ऐंठन, अत्यधिक पसीना आता है। इसी प्रकार अत्यधिक थकावट एवं शारीरिक खिचाव होने पर अत्यधिक पसीना आना, कमजोरी महसूस होना, शरीर ठंडा होना तथा पीला पड़ जाना, सिर दर्द, नब्ज कमजोर पड़ जाना, मूर्छित हो जाना, उल्टी आना जैसे लक्षण नजर आते हैं। ऐसे में प्रभावित को छायादार स्थल पर तत्काल ले जाए। ऐंठन वाले शरीर के भाग को जोर से दबाए तथा धीरे-धीरे सहलाएं। प्रभावित को शीतल जल, छाछ अथवा पना पिलाएं। यदि उकबाई आ रही हो, तो शीतल पेय पिलाना बंद कर दें तथा तत्काल नजदीकी प्राथमिक चिकित्सा केन्द्र पर ले जाएं।

ताप-दाह में अत्यधिक बुखार, अत्यधिक गर्म एवं सूखी त्वचा, तेज नब्ज बेहोशी हो सकती है। प्रभावित व्यक्ति को पसीना नहीं आएगा। यह अत्यंत चिंताजनक एवं चिकित्सा की दृष्टि से आपात स्थिति है। तत्काल 108 को बुलाएँ तथा प्रभावित को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराएँ। एम्बूलेंस आने तक उन्हें किसी शीतल वातानुकूलित स्थान पर ले जाएँ। कपड़ों को दीला कर आरामदेह स्थिति में लिटाएँ। उनके शरीर पर ठंडा एवं गीले कपड़े से स्पंजिंग करें। किसी भी प्रकार का पेय पदार्थ पीनें को नहीं दें। आवश्यकतानुसार सीपीआर शुरू करें।

बचाव हेतु ये सावधानियां अपनायें

पानी, छांछ, ओ.आर.एस. का घोल या घर में बने पेय जैसे लस्सी, नीबू पानी, आम का पना इत्यादि का सबन कर तरो-ताजा रहें। यथा संभव दोपहर 12 से 4 बजे धूप में बाहर निकलने से बचें। धूप में निकलते समय अपना सिर ढ़क कर रखें। कपड़े, टोपी अथवा छतरी का उपयोग करें। धूप में निकलने के पूर्व तरल पदार्थ का सेवन करें। पानी हमेशा साथ रखें। शरीर में पानी की कमी नहीं होने दें। सूती, दीले एवं आरामदायक कपड़े पहने सिंथेटिक एवं गहरे रंग के वस्त्र पहनने से बचें। जानवरों को छांव में रखें और पर्याप्त मात्रा में पीने का पानी दें। अत्यधिक गर्मी होने की स्थिति में ठंडे पानी से शरीर को पोछे या कई बार स्नान करें। धूप तथा गर्म हवाओं के संपर्क के तुरंत बाद स्नान न करें। गरिष्ठ, वसायुक्त, ज्यादा प्रोटीन वाले भोजन तथा अल्कोहल, चाय, काफी जैसे पेय पदार्थ का उपयोग कम से कम करें।

महापौर ने सुनी लोगों की समस्याएं प्रकरणों का तत्काल निराकरण

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

नगर निगम में मंगलवार को महापौर जनसुनवाई में शहर के विभिन्न वार्डों से बड़ी संख्या में नागरिक पहुंचे और पेयजल, साफ-सफाई, सड़क मरम्मत, नाली निर्माण, बंद स्ट्रीट लाइट, अतिक्रमण तथा राजस्व संबंधी समस्याओं से जुड़े आवेदन प्रस्तुत किए।

निराकरण में न हो देरी

महापौर प्रीति संजीव सूरी ने जनसुनवाई के दौरान नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता से सुना एवं संबंधित विभागीय अधिकारियों को मौके पर ही आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आमजन की समस्याओं का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करना नगर निगम की प्राथमिकता है। जनहित से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही अथवा अनावश्यक विलंब स्वीकार नहीं किया जाएगा।

जनसुनवाई के दौरान कई आवेदनों पर तत्काल कार्यवाही के निर्देश दिए गए, वहीं शेष प्रकरणों के शीघ्र निराकरण हेतु संबंधित विभागों को समयसीमा निर्धारित कर कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश प्रदान किए गए। महापौर श्रीमती सूरी ने अधिकारियों से अपने स्तर पर नियमित मॉनिटरिंग करते हुए नागरिक समस्याओं के समाधान में संवेदनशीलता एवं जवाबदेही के साथ कार्य करने हेतु निर्देशित किया।

जनसुनवाई में विभिन्न विभागों के अधिकारी एक ही मंच पर उपस्थित रहे, जिससे नागरिकों को अपनी समस्याओं के निराकरण के लिए अलग-अलग कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़े। इस व्यवस्था से आमजन को त्वरित सुनवाई एवं सरल समाधान का लाभ मिला।

करंट से हुई मौत के मामले में पुलिस ने आरोपित को भेजा जेल

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

निवार चौकी पुलिस ने ग्राम मनेहरा के जंगल में करंट से एक व्यक्ति की मौत के मामले में जांच उपरांत पुलिस ने एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष डेहरिया के मार्गदर्शन तथा नगर पुलिस अधीक्षक नेहा पच्चीसिया एवं थाना प्रभारी माधवनगर संजय दुबे के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई।पुलिस के अनुसार 28 मार्च 2026 को सूचना मिली थी कि ग्राम मनेहरा के जंगल में एक व्यक्ति का शव पड़ा है। मौके पर पहुंची पुलिस ने पाया कि करंट लगने से झुलसकर उसकी मृत्यु हुई है। मामले में मर्ग कायम कर अज्ञात आरोपी के विरुद्ध धारा 105 बीएनएस एवं विद्युत अधिनियम की धारा 135 के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की गई। जांच के दौरान पुलिस ने आरोपी राकेश उर्फ मंजा पिता बिहारी चौधरी (29 वर्ष), निवासी मनेहरा को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।इस कार्रवाई में चौकी प्रभारी अंजनी मिश्र सहित पुलिस टीम के राजेश कोरी, कमलेश्वर शुक्ला, प्रधान आरक्षक गौरव सेन, मनीष कुमार, आरक्षक अरविंद एवं वकील की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

8 दिनों से बंद हैंडपंप, पेयजल संकट से जूझ रहे ग्रामीण, बढ़ी परेशानी

उमरियापान। जनपद पंचायत ढीमरखेड़ा अंतर्गत ग्राम पंचायत बम्हनी में पंचायत भवन के पास मुख्य मार्ग किनारे लगे दो हैंडपंप पिछले आठ दिनों से बंद पड़े हैं। हैंडपंप खराब होने से ग्रामीणों को पेयजल संकट का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि पंचायत भवन के आसपास रहने वाले लोग इन हैंडपंपों पर निर्भर रहते हैं। मुख्य मार्ग पर स्थित होने के कारण राहगीरों को भी यहां से पानी मिल जाता था, लेकिन दोनों हैंडपंप बंद होने से लोगों की परेशानी बढ़ गई है। भीषण गर्मी के बीच ग्रामीणों को दूर-दराज के जलस्रोतों से पानी लाना पड़ रहा है। सुबह और शाम पानी भरने के लिए अन्य स्थानों पर भीड़ लग रही है। गांव के ग्रामीणों ने बताया कि समस्या की जानकारी संबंधित जिम्मेदारों को दी जा चुकी है, इसके बावजूद अब तक सुधार कार्य नहीं कराया गया। इससे लोगों में नाराजगी देखी जा रही है। वहीं ग्राम पंचायत बम्हनी की सरपंच अनीता कोरी ने बताया कि हैंडपंप बंद होने की सूचना पीएचई विभाग को दे दी गई है।

न्यायाधीश ने किया आंगनबाड़ी प्ले स्कूल का निरीक्षण

मंगलवार को न्यायाधीश पूर्वी तिवारी ने ढीमरखेड़ा स्थित आंगनवाड़ी प्ले स्कूल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान न्यायिक अधिकारी द्वारा बच्चों से संवाद स्थापित कर उनकी शैक्षणिक समझ का आकलन किया गया। बच्चों से पालतू एवं जंगली जानवरों के नाम अंग्रेजी में पूछे गए तथा अंग्रेजी वर्णमाला से संबंधित उनकी जानकारी भी परखी गई। इस अवसर पर केंद्र की सहायिका के माध्यम से भोजन की स्वच्छता और बच्चों को उपलब्ध कराए जा रहे पेयजल की गुणवत्ता का भी निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान नायब नाजिर शक्ति संजय सिंह, विधिक साक्षरता विभाग के कर्मचारी जय किशोर शुक्ला सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

कूटरचित दस्तावेजों से 10 लाख रूपये की धोखाधड़ी के आरोप, राशि दिलाने की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

फर्जी दस्तावेज के माध्यम से 10 लाख रूपये की धोखाधड़ी किये जाने का मामला सामने आया है। बजरंग कॉलोनी निवासी रेखा पाठक ने पुलिस को दी गई शिकायत में बताया कि उसके स्वर्गीय ससुर के साथ हुई 10 लाख रुपये की धोखाधड़ी पर कानूनी कार्रवाई और राशि वापस दिलाने की मांग की है। शिकायत में ग्राम बसाड़ी निवासी सुभाष रजक और रमेश पटेल पर आरोप लगाए गए हैं।

पुलिस को दी गई शिकायत में फरियादी रेखा पाठक के बताया कि यह मामला बड़वारा तहसील के ग्राम मिढ़री ग्राम पंचायत भदौरा नं. 2 स्थित जमीन के सौदे से जुड़ा है। आरोप है कि ग्राम जौनपुर निवासी भूस्वामी निवास राजपूत की मलकियत वाली खसरा नंबर 30/2 एवं 30/3 (रकबा 2.30 हेक्टेयर) की जमीन का सौदा अनावेदक सुभाष रजक ने किया। आरोप है कि 17 जनवरी 2025 को सुभाष रजक ने रमेश पटेल की हैंडराइटिंग में एक कूटरचित (फर्जी) इकरारनामा तैयार करवाया। इस इकरारनामे पर न तो असली भूस्वामी निवास राजपूत के हस्ताक्षर थे और न ही उन्हें इस सौदे की कोई जानकारी थी।

फर्जी दस्तावेज के आधार पर आवेदिका के ससुर स्वर्गीय कमलाकांत पाठक से गवाहों के सामने दस लाख रुपये बयाना राशि के रूप में नगद ले लिए गए। आवेदिका ने बताया कि इकरारनामा होने के लगभग 3-4 महीने बाद, 14 अप्रैल 2025 को उनके ससुर कमलाकांत पाठक का स्वर्गवास हो गया। इससे पूर्व उनके पति सत्येन्द्र पाठक का भी निधन हो चुका है। परिवार के मुखिया के जाने के बाद जब आवेदिका ने सुभाष रजक से जमीन की रजिस्ट्री कराने या बयाना राशि वापस करने को कहा, तो अनावेदक मुकर गया।

आवेदिका ने एन.के.जे. थाना प्रभारी और पुलिस अधीक्षक को लिखित शिकायत सौंपकर मांग की है कि फर्जी इकरारनामा बनाकर राशि हड़पने वालों के खिलाफ आपराधिक प्रकरण दर्ज किया जाए। जांच कर कार्रवाई की जाए और आवेदिका को उनकी 10 लाख रुपये की राशि वापस दिलाई जाए।

स्व-सहायता समूह से बदली रश्मि की तकदीर और जिंदगी

लखपति दीदी के रूप में बनी पहचान, औरों को कर रही प्रेरित

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

कलेक्टर आशीष तिवारी के नेतृत्व एवं जिला पंचायत सीईओ सुश्री हरसिमरनप्रीत कौर की सतत निगरानी और प्रयासों से मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा ग्रामीण क्षेत्रो की महिलाओ को आर्थिक रूप से मजबूत करने के लिये निरंतर कार्य करने के कारण ग्रामीण महिलाओं के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिल रहे हैं।विकासखण्ड कटनी की ग्राम घंघरीखुर्द की श्रीमती रश्मि पटेल महिला आत्मनिर्भरता एवं "लखपति दीदी" अभियान का प्रेरणादायक उदाहरण बन चुकी है। श्रीमती पटेल पति मंगल पटेल, वर्ष 2023 में "राधे स्व-सहायता समूह" से जुड़ीं। उस समय उनके परिवार की आर्थिक स्थिति सामान्य थी तथा परिवार की वार्षिक आय लगभग 68 हजार रुपये थी। सीमित आय के कारण परिवार का पालन-पोषण, बच्चों की पढ़ाई एवं घरेलू आवश्यकताओं को पूरा करना चुनौतीपूर्ण था। समूह से जुड़ने के बाद उन्होंने नियमित बचत प्रारंभ की एवं समूह बैठकों में सक्रिय सहभागिता निभाई। आजीविका मिशन के सहयोग से उन्हें बैंक लिंकेज (CCL) के माध्यम से 80 हजार रुपये, सीआईएफ से 35 हजार रुपये एवं आरएफ से 1500 रुपये की आर्थिक सहायता प्राप्त हुई। प्राप्त आर्थिक सहयोग से उन्होंने अपनी छोटी सी किराना की दुकान का विस्तार किया। इसके साथ ही मनिहारी दुकान, तेल पिराई मिल एवं आटा चक्की का कार्य प्रारंभ किया। मेहनत एवं लगन से उनका व्यवसाय लगातार बढ़ता गया और वर्तमान में वे तेल सप्लाई का कार्य भी कर रही हैं। उनकी मासिक आय में निरंतर वृद्धि हुई और परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत होने लगी। पहले जहां उनकी वार्षिक आय लगभग 68 हजार रुपये थी, वहीं आज उनकी वार्षिक आय बढ़कर लगभग 1 लाख 44 हजार रुपये हो चुकी है। इसी उपलब्धि के आधार पर वे "लखपति दीदी" के रूप में पहचान बना चुकी हैं।

रश्मि पटेल बताती हैं कि "स्व-सहायता समूह ने मुझे नया आत्मविश्वास दिया। पहले मैं केवल घर तक सीमित थी, लेकिन समूह से जुड़ने के बाद मैंने व्यवसाय शुरू किया और आज मैं आत्मनिर्भर बन पाई हूं। अब मेरा सपना है कि गांव की अन्य महिलाएं भी आगे बढ़ें और लखपति दीदी बनें।" आज वे गांव की अन्य महिलाओं को भी बचत, स्वरोजगार एवं समूह से जुड़कर आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित कर रही हैं। उनकी यह सफलता कहानी महिला सशक्तिकरण, स्वरोजगार एवं मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन की प्रभावशीलता का उत्कृष्ट उदाहरण है। जिला परियोजना प्रबंधक अनुराग मोदी ने बताया कि मिशन के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने संकल्पित है ।

खबर संक्षेप

तखला गांव के खेत में लगी आग, मशक्कत के बाद पाया काबू

कटनी। माधवनगर थाना क्षेत्र के ग्राम तखला में एक खेत में अज्ञात कारणों से अचानक भीषण आग लग गई। चिलचिलाती गर्मी और तेज हवाओं के बीच देखते ही देखते आग की लपटों ने विकराल रूप धारण कर लिया। आग तेजी से बस्ती की ओर बढ़ने लगी। आग को बढ़ता देख पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया और चीख-पुकार की स्थिति निर्मित हो गई। खेत में लगी आग की जानकारी मिलते ही सरपंच अनिल सिंह और बड़ी संख्या में ग्रामीण तत्काल मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों ने पानी, मिट्टी व अन्य उपलब्ध पारंपरिक संसाधनों की मदद से अपने स्तर पर आग बुझाने का प्रयास शुरू किया लेकिन आग इतनी भीषण थी कि ग्रामीणों के प्रयासों के बावजूद स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में नहीं आ सकी। आग जब बेकाबू होने लगी तो तत्काल पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम संसाधनों के साथ मौके पर पहुंची। दमकल कर्मियों ने भारी मशक्कत के बाद आखिरकार आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। राहत की बात यह रही कि आग को गांव की सीमा में घुसने से पहले ही रोक दिया गया, जिससे एक बहुत बड़ी और भयावह दुर्घटना होते-होते टल गई। जानकारी के अनुसार इस अग्निकांड में किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। आग लगने के सटीक कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। पुलिस और संबंधित विभाग आग लगने की वजहों की विस्तृत जांच कर रहे हैं।

अनूप सिंह ठाकुर संभालेंगे यातायात थाना की कमान

कटनी। पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा द्वारा जारी प्रशासनिक आदेश के तहत निरीक्षक अनूप सिंह ठाकुर को यातायात थाना प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। पुलिस अधीक्षक द्वारा किए गए इस फेरबदल को जिले की यातायात व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। वहीं राहुल पांडे को पुलिस कंट्रोल रूम का नया प्रभारी नियुक्त किया गया है। जारी आदेश के अनुसार राहुल पांडे अब कंट्रोल रूम की व्यवस्थाओं, आपातकालीन सूचनाओं के समन्वय तथा पुलिस संचालन की मॉनिटरिंग की जिम्मेदारी संभालेंगे।

दो वार्डों में रासायनिक धुएं का किया छिड़काव

कटनी। मच्छर जनित बीमारियों के प्रसार पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से नगर पालिक निगम कटनी द्वारा शहर में व्यापक स्तर पर फॉगिंग अभियान निरंतर संचालित किया जा रहा है। नगर निगम के स्वास्थ्य अधिकारी संजय सोनी ने बताया स्वास्थ्य अमले द्वारा सोमवार शाम बाल गंगाधर तिलक वार्ड एवं रघुनाथ गंज वार्ड की विभिन्न गलियों, आवासीय क्षेत्रों एवं अन्य स्थानों पर रासायनिक धुएं का छिड़काव कर मच्छरों के विनिष्टीकरण की कार्यवाही की गई । अभियान के अंतर्गत दो वार्डों की विभिन्न गलियों में विशेष रूप से फॉगिंग मशीनों के माध्यम से रासायनिक धुआं छोड़ा गया, जिससे मच्छरों की संख्या पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सके।

बरही एवं बड़वारा पुलिस ने की कार्यवाही, ट्रेक्टरों का हो रहा कमर्शियल उपयोग

रेत के अवैध परिवहन पर कार्यवाही 5 ट्रेक्टर ट्रालियों को किया गया जब्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

नियम, प्रावधानो की सख्ती के बावजूद कृषि कार्य के लिये पंजीकृत ट्रेक्टरों का जिले भर में खुल्लमखुल्ला व्यावसायिक उपयोग हो रहा है। ट्रेक्टर मालिक शासन को तगड़ी राजस्व चपत लगाते हुये मालामाल हो रहे है। आलम यह है कि मोटी कमाई के फेर में टैक्कर मालिक ही माफिया बन बैठे है। जिन्हे कभी कभार पकड़े जाने पर दो पांच हजार का जुर्माना भी मामूली समझ आता है। बेजा कमाई का पर्याय बनते जा रहे ट्रेक्टरों पर अकुंश न लगने से ग्रामीण क्षेत्र का वातावरण भी अराजक हो चला है।

उल्लेखनीय है कि खेती की आड़ में खनन के खेल में ट्रेक्टर का रजिस्ट्रेशन तो कृषि कार्य के लिये कराया गया है लेकिन अधिकांश ट्रेक्टर से रेत का परिवहन किया जा रहा है। नदी घाटो से ट्रेक्टरों के माध्यम से ही रेत डंप कर लाई जा रही है। रेत का परिवहन करने में ट्रेक्टर ट्राली का उपयोग का खुलासा भी हो चुका है। ट्रेक्टर के माध्यम से रजिस्ट्रेशन कमर्शियल उपयोग के लिये नही कराने पर ट्रेक्टर मालिको को टैक्स भी नही देना पड़ रहा है। बिना कमर्शियल के परमिट के ही ट्रेक्टर का कमर्शियल उपयोग किया जा रहा है। ट्रेक्टरों का पंजीयन भले ही खेती कार्य के लिये कराया गया है लेकिन उपयोग व्यवसायिक कर तगड़ी कमाई की जा रही है।

रेत का अवैध परिवहन करते पांच ट्रैक्टर-ट्रॉली किया जब्त

बरही एवं बड़वारा पुलिस ने रेत का अवैध परिवहन करते रेत से भरे पांच ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त किए हैं। पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन में बरही पुलिस ने ग्राम बहिरघटा नदी घाट क्षेत्र में घेराबंदी कर रेड डाली गई। मौके पर महिंद्रा कंपनी के दो लाल रंग के तथा आईसर कंपनी का एक नीले रंग का ट्रैक्टर रेत का अवैध परिवहन करते मिला। पुलिस ने तीनों ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त कर थाना परिसर में खड़ा कराया है। कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार चौबे सहित पुलिस टीम की विशेष भूमिका रही। अवैध खनन व परिवहन के विरुद्ध अभियान आगे भी जारी रहेगा। कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार चौबे सहित पुलिस टीम की विशेष भूमिका रही। अवैध खनन व परिवहन के विरुद्ध अभियान आगे भी जारी रहेगा।

इसी तरह बड़वारा पुलिस ने अवैध रेत परिवहन के खिलाफ कार्रवाई करते हुए दो ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त किए हैं। पुलिस के अनुसार ग्राम निगहरा मोड़ क्षेत्र में गश्त के दौरान बिना वैध दस्तावेज रेत परिवहन करते दो ट्रैक्टर पकड़े गए। वाहन चालकों की पहचान उमेश कुमार पटेल एवं दिलबहार कोल निवासी गणेशपुर के रूप में हुई। दोनों ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त कर थाना परिसर में खड़ा कराया गया है तथा आरोपियों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की गई। कार्रवाई में थाना प्रभारी के.के. पटेल सहित पुलिस टीम की प्रमुख भूमिका रही। अवैध खनिज परिवहन के विरुद्ध अभियान लगातार जारी है।

जर्जर भवन को ढहाने नगर निगम ने शुरू की कार्यवाही

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

नगर वासियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए नगर पालिक निगम कटनी द्वारा जर्जर एवं दुर्घटना संभावित भवनों के विरुद्ध कार्यवाही का सिलसिला अनवरत रूप से जारी है। निगमायुक्त सुश्री तपस्या परिहार द्वारा समय सीमा की बैठक में जर्जर भवन पर कार्यवाही को लेकर दिए गए निर्देशानुसार मंगलवार को महारानी लक्ष्मीबाई वार्ड स्थित वैश्य गली के एक अत्यंत जर्जर एवं मानव आवास हेतु अनुपयुक्त भवन को हटाने की कार्यवाही प्रारंभ की गई। कार्यपालन यंत्री अंशुमान सिंह ने बताया कि उक्त भवन लंबे समय से क्षतिग्रस्त अवस्था में होने के कारण आसपास निवासरत नागरिकों एवं राहगीरों के लिए खतरा बना हुआ था। पूर्व में भवन स्वामी को उक्त जर्जर भवन के रिमूवल की कार्यवाही के संबंध में सूचना पत्र भी प्रेषित किया गया था। निर्धारित समय अवधि बीतने के पश्चात निगम प्रशासन द्वारा वर्षा ऋतु के पूर्व संभावित दुर्घटनाओं की आशंका को दृष्टिगत रख त्वरित कार्रवाई करते हुए पूर्ण सावधानी के साथ भवन को हटाने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है जिससे जनहानि एवं अप्रिय घटनाओं को रोका जा सके।

नगर निगम प्रशासन ने जर्जर भवन स्वामियों से अपील की है कि वे अपने अपने जर्जर एवं असुरक्षित भवनों को हटाने की कार्यवाही स्वयं करें अन्यथा निगम प्रशासन द्वारा चिन्हित भवनों को हटाया जाएगा, जिसकी सम्पूर्ण जवाबदारी संबंधित भवन स्वामी की होगी।

वैवाहिक समारोह में मारपीट के मामले में हो सख्त कार्यवाही

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

कुठला थाना क्षेत्र अंतर्गत इंद्रानगर में 20 अप्रैल 2026 को एक दलित परिवार के विवाह समारोह के दौरान हुई कथित पुलिस कार्रवाई ने कानून व्यवस्था, संवैधानिक अधिकारों एवं सामाजिक न्याय व्यवस्था पर गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं। आरोप है कि विवाह समारोह के दौरान बारात एवं घरातियों पर पुलिस द्वारा बल प्रयोग एवं लाठीचार्ज किया गया तथा विवाह मंडप से दूल्हा-दुल्हन को थाना परिसर ले जाकर बैठाया गया, जिसके कारण धार्मिक एवं पारंपरिक वैवाहिक अनुष्ठान बाधित हुए। इस कथित कार्रवाई में दलित बेटी की माता भगवती चौधरी सहित लगभग 8 लोग घायल हुए।

पीड़ित पक्ष का आरोप है कि घटना के दौरान कोई महिला पुलिस अधिकारी मौजूद नहीं थी, इसके बावजूद महिलाओं पर पुरुष पुलिसकर्मियों द्वारा बल प्रयोग किया गया। पीड़िता वधू की माता भगवती चौधरी ने कहा हम अपनी बेटी का विवाह खुशी और सम्मान के साथ करना चाहते थे, लेकिन पुलिस कार्रवाई ने पूरे परिवार को अपमान और भय में डाल दिया। महिलाओं और बुजुर्गों तक को नहीं बख्शा गया। आज भी हमारा परिवार न्याय की उम्मीद में प्रशासन की ओर देख रहा है। वधू रिचा चौधरी ने कहा मेरे जीवन का सबसे महत्वपूर्ण दिन डर और तनाव में बदल गया। विवाह की रस्में अधूरी रह गईं और हमें थाना ले जाकर बैठाया गया। मैंने कभी नहीं सोचा था कि शादी के दिन मुझे इस तरह का अपमान सहना पड़ेगा।

अधिवक्ता अनिल सिंह सेंगर ने कहा भारत का संविधान प्रत्येक नागरिक को गरिमा, समानता एवं धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार देता है। यदि किसी दलित परिवार की बेटी के विवाह समारोह में हस्तक्षेप कर उसके धार्मिक संस्कारों को बाधित किया गया है, तो यह अत्यंत गंभीर विषय है और इसकी निष्पक्ष जांच आवश्यक है।"पीड़ित पक्ष को न्याय दिलाने हेतु आवश्यक विधिक कदम उठाए जाएंगे।"अधिवक्ता यश खरे ने कहा —"यदि पुलिस कार्रवाई में अधिकारों का अतिक्रमण हुआ है, महिलाओं के साथ विधि विरुद्ध बल प्रयोग किया गया है तथा धार्मिक अनुष्ठानों में बाधा डाली गई है, तो संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई की जानी चाहिए।

ये हैं प्रमुख मांगे

घटना की उच्च स्तरीय, निष्पक्ष एवं पारदर्शी जांच कराई जाए। कुठला थाना प्रभारी सहित संबंधित पुलिसकर्मियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाए। प्रथम दृष्टया दोषी पाए जाने वाले पुलिस अधिकारियों/कर्मचारियों के विरुद्ध FIR दर्ज की जाए। पीड़ित परिवार को सुरक्षा एवं न्याय प्रदान किया जाए।

वार्डों का प्रतिदिन निरीक्षण कर सतत मानीटरिंग करने दिये निर्देश

आगामी वर्षा ऋतु में शहरवासियों को जलभराव की समस्या से राहत दिलाने तथा सुगम जल निकासी व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से नगर निगम प्रशासन द्वारा व्यापक स्तर पर तैयारियां निरंतर जारी हैं। इसी क्रम में मंगलवार को नगर निगम आयुक्त सुश्री तपस्या परिहार द्वारा स्वास्थ्य विभाग, लोक निर्माण विभाग एवं अतिक्रमण विभाग के अधिकारियों की संयुक्त समीक्षा बैठक आयोजित कर वर्षा पूर्व तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई। निगमायुक्त ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि मशीनरी एवं मानव संसाधनों की संख्या बढ़ाकर शेष नाला-सफाई कार्य शीघ्र पूर्ण कराया जाए। साथ ही जल निकासी मार्गों में अवरोध उत्पन्न करने वाले अतिक्रमणों को प्राथमिकता से हटाने, सड़कों के गड्ढों एवं क्षतिग्रस्त नालियों की मरम्मत कराने तथा मुख्य मार्गों के शोल्डर दुरुस्त कराने के निर्देश दिए। उन्होंने जलभराव वाले मार्गों का चिन्हांकन कर स्थायी समाधान हेतु कार्ययोजना तैयार करने, खतरनाक खुले नालों की कवरिंग के प्रस्ताव तैयार करने एवं वर्षा पूर्व सभी आवश्यक व्यवस्था समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। निगमायुक्त ने क्षेत्रीय अधिकारियों को प्रतिदिन अपने-अपने वार्डों का निरीक्षण कर जल निकासी व्यवस्थाओं की सतत मॉनिटरिंग करने के निर्देश भी प्रदान किए।

TET के मुद्दे पर विभाग शिक्षकों के साथ

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

शासकीय शिक्षक संगठन के प्रतिनिधि मंडल ने संगठन के प्रांताध्यक्ष राकेश दुबे के नेतृत्व में आयुक्त लोकशिक्षण अभिषेक सिंह से मुलाकात कर शिक्षक पात्रता परीक्षा, राज्य शिक्षा सेवा में नियुक्त नवीन शिक्षक संवर्ग के सेवा अवधि गणना उनके प्रथम नियुक्ति दिनाँक से, उच्च पद प्रभार की प्रक्रिया में गति लाने, ट्रायबल के विद्यालयों का स्कूल शिक्षा विभाग में संविलियन, अनुकम्पा नियुक्ति के मामलों में नियमों का सरलीकरण सहित अन्य मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की।

संगठन के कार्यकारी अध्यक्ष उपेंद्र कौशल ने बताया कि वर्ष 2018 में शिक्षाकर्मी, गुरूजी एवं संविदा शाला शिक्षक संवर्ग का राज्य शिक्षा सेवा में संविलियन किया गया था, किन्तु इस संवर्ग की पूर्व की लगभग 20 वर्षों की सेवा को शून्य मानते हुए वरिष्ठता की गणना ग्रेच्युटी, अर्जित अवकाश एवं पेंशन जैसे महत्वपूर्ण मामलों में 01 जुलाई 2018 से सेवा अवधि की गणना की जा रही है, जिससे हजारों शिक्षकों को गंभीर आर्थिक एवं प्रशासनिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। ज्ञापन में अनुकम्पा नियुक्ति संबंधी मामलों में भी नियमों का सरलीकरण करते हुए पात्रतानुसार नियुक्ति प्रदान कर आगामी तीन वर्षों में आवश्यक सेवा शर्तों की पूर्ति का अवसर देने तथा उच्च पद प्रभार की कार्यवाही तत्काल कराने की मांग उठाई गई है।

किये जाएंगे प्रयास

उक्त मांगों पर विस्तृत चर्चा करते हुए आयुक्त लोकशिक्षण अभिषेक सिंह ने स्पष्ट कहा कि टेट शिक्षक पात्रता परीक्षा के मामले में विभाग पूरी तरह से शिक्षकों के साथ है और शिक्षक हित में हर सम्भव प्रयास किए जाएंगे। और अन्य सभी मांगों पर भी शीघ्रता से सकारात्मक निर्णय लिए जाएंगे।

हाईकोर्ट के निर्देश पर विजयराघवगढ़ क्षेत्र में प्रशासन ने की कार्रवाई

प्रशासनिक कार्यवाही के बाद अब लोग स्वयं ही अतिक्रमण हटाने दिखाने लगे तत्परता

हरिभूमि न्यूज ⏭ विजयराघवगढ़

नगर में अतिक्रमण की कार्यवाही आखिरकार शुरू हो गई। जेसीबी से अतिक्रमण तोड़ने की कार्यवाही होते देख लोगों ने खुद से भी अतिक्रमण हटाने तोड़ने की रुचि दिखाई। विजयराघवगढ़ नगर में अतिक्रमण हटाने के लिए हाई कोर्ट द्वारा फरमान जारी किया गया था। बता दे की हाई कोर्ट के आदेश उपरांत पूर्व में सड़क के मध्य से 25 , 25 फीट अतिक्रमण अलग करना निर्धारित हुआ था। जिसमें आजाद चौक से जनपद पंचायत तक के कुछ व्यापारियों द्वारा 25 फीट स्वयं से अतिक्रमण अलग कर लिया गया। किंतु इसके उपरांत मेंन रोड के व्यापारी वर्ग एवं आम नागरिकों की मांग पर 25 फीट से कम कर 18,18 फीट ही अतिक्रमण हटाने की सहमति बनी।

इसी तरह नगर परिषद प्रशासन द्वारा अतिक्रमण में आने वाले मकान और दुकानों को चिन्हित किया गया था परंतु अतिक्रमण तोड़ने की कार्यवाही अब और तब की तर्ज में लटकी हुई थी। अंततः हाई कोर्ट द्वारा दिए गए आदेश का अमल करते हुए नगर परिषद प्रशासन द्वारा 16 मई शनिवार को अतिक्रमण हटाने की मुहर लगा दी गई। इससे पूर्व भी कई बार नगर परिषद प्रशासन द्वारा चिन्हित कर लोगों को अतिक्रमण हटाने की चेतावनी दी गई थी लेकिन चंद लोगों में कब्जा हटाया। आखिरकार नगर परिषद प्रशासन द्वारा जेसीबी मशीनों के माध्यम से अतिक्रमण जमीदोज करने का कार्य आरंभ किया गया। इसी बीच कुछ लोगों द्वारा अतिक्रमण हटाए जाने का विरोध भी किया गया और शासकीय कार्य में बाधा पहुंचा कर कर्मचारियों से उलझ गए। इसके बाद थाना प्रभारी रितेश शर्मा के निर्देशन में पुलिस बल के हस्तक्षेप के बाद कार्यवाही शांतिपूर्ण ढंग से आगे बढ़ी। कैमोर रोड से नवीन बस स्टैंड आजाद चौक से अतिक्रमण हटाने का कार्य आरंभ होकर शाम 6:00 अंधा मोड़ तक जेसीबी मशीनें अतिक्रमण अलग करते हुए पहुंची। जिसके कारण समूचे नगर में हड़कंप मच गया।

जारी रहेगी कार्यवाही

इसके बाद लोगों ने स्वयं अतिक्रमण हटाने का कार्य आरंभ कर दिया। रविवार और सोमवार को को लोगों ने स्वयं से अतिक्रमण हटाए। स्थानीय प्रशासन की जानकारी के अनुसार हाई कोर्ट के आदेश के परिपालन में विजय राघवगढ़ नगर में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई जारी रहेगी।

संचार संकर्म समिति की बैठक में निर्माण कार्यों की हुई गहन समीक्षा

कार्यों को समय पर पूर्ण कराने निरीक्षण कर मैदानी स्थिति का लें जायजा

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

जिला पंचायत में मंगलवार को संचार संकर्म समिति की बैठक अजय गोटिया की अध्यक्षता एवं सचिव ग्रामीण यांत्रिकी सेवा की प्रभारी कार्यपालन यंत्री श्रीमती मेघा मौर्य की उपस्थिति में आयोजित हुई। बैठक में लोक निर्माण,लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी,जल विकास निगम मंडल शहडोल एवं आदिम जाति कल्याण विभाग द्वारा गत दो वर्षों में कराए गए निर्माण कार्यों की गहन समीक्षा हुई। गत दिवस कलेक्ट्रेट में आयोजित समय सीमा की समीक्षा बैठक में जनपद पंचायत बहोरीबंद के ग्राम बरतरा- बरतरी में बीएसएनएल के ठेकेदार द्वारा जल जीवन मिशन के तहत बिछाई गई पाइपलाइन की खुदाई कर क्षतिग्रस्त करने के मामले में कलेक्टर आशीष तिवारी ने संबंधित ठेकेदार के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करने के निर्देश अधिकारियों को दिए थे।

इस बात की अजय गोटिया सहित अन्य सदस्यों ने आम जनता, नागरिकों के प्रति संवेदनशीलता एवं पीड़ा से हुए दर्द को महसूस करते हुए उठाया गया कदम बताया। बैठक में संबंधित विभाग के अधिकारियों द्वारा कराए गए कार्यों के संबंध में विस्तार से बिंदुवार जानकारी से सदन को अवगत कराया। इसके पूर्व अधिकारियों द्वारा पूर्व की बैठक के पालन प्रतिवेदन पर विस्तृत जानकारी दी गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए श्री गोटियां ने कहा कि अपूर्ण एवं प्रगतिरत निर्माण कार्यों को नियत समय में गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराएं। जिला प्रशासन के मुखिया आशीष तिवारी एवं जिला पंचायत सीईओ सुश्री हरसिमरनप्रीत कौर द्वारा जनहित में लिए जा रहे निर्णयों और कार्यों को मूर्त रूप देने में कोई भी कोर कसर नहीं छोड़ें। अध्यक्षता करते हुए श्री गोटियां ने मैदानी भ्रमण कर निगरानी करने एवं जनहित में सार्थक प्रयास और परिश्रम द्वारा काम करने की नसीहत दी। समीक्षा बैठक में संचार संकर्म समिति के सदस्य प्रेमलाल केवट, सुश्री माला मौसी, श्रीमती कविता पंकज राय तथा शरंगलाल पटेल एवं राजेश हल्दकार मनोनीत सदस्य मौजूद रहे।

समीक्षा बैठक में ग्रामीण क्षेत्रों के आंतरिक मार्गों की सड़कों में जल जीवन मिशन द्वारा नल जल योजनाओं के दौरान की गई खुदाई से ग्रामीण नागरिकों को बहुत दिक्कत है। संबंधित अधिकारी इसे तत्परतापूर्वक मरम्मत दुरुस्त कर चलने योग्य बनाएं।

गर्मी की विकरालता और नागरिकों को पेयजल की सुविधा मुहैया कराने हेतु जल जीवन मिशन द्वारा निर्मित पानी की टंकियों का लीकेज, मरम्मत और अन्य बाकी काम को शीघ्र पूर्ण कराएं तथा निर्मित पानी की टंकियों की गुणवत्ता की जांच हेतु जिला स्तरीय समिति का गठन कर कराया जाए।

बैठक में जिला अधिकारियों की मौजूदगी नहीं होने पर सदन ने नाराजगी जताते हुए कहा कि संबंधित विभागों के जिला अधिकारी स्वयं उपस्थित हों। किन्हीं महत्वपूर्ण कारणों जैसे न्यायालयीन कार्य होने पर अपने प्रतिनिधि को भेजने नाम, पदनाम सहित हेतु पत्र द्वारा सूचित करें। इस दौरान आदिम जाति कल्याण विभाग के विमल चौरसिया, अजय केसरवानी, अभिषेक त्रिपाठी, आरके जैन एवं अन्य अधिकारियों की मौजूदगी रही।

अनाधिकृत होर्डिंग-बैनर एवं अतिक्रमण हटाया

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

नगर पालिक निगम कटनी द्वारा शहर को स्वच्छ, व्यवस्थित एवं सुगम बनाने के उद्देश्य से अतिक्रमण हटाओ अभियान निरंतर संचालित किया जा रहा है। निगम प्रशासन द्वारा नगर की सुंदरता, सुचारू यातायात व्यवस्था तथा वर्षा ऋतु के पूर्व बेहतर जल निकासी सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में प्रभावी कार्यवाही की जा रही है।

इसके साथ ही शहर के प्रमुख मार्गों एवं सार्वजनिक स्थलों के तहत मिशन चौक से कुठला थाना तक के मार्ग से में लगे लगभग 126 अवैध होर्डिंग्स एवं बैनर हटाए गए। निगम प्रशासन की इस कार्यवाही से न केवल नगर की सुंदरता में सुधार हुआ है, बल्कि सार्वजनिक स्थलों को व्यवस्थित एवं स्वच्छ बनाए रखने में भी मदद मिली है।

अतिक्रमण प्रभारी मानेंद्र सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि नागरिकों के सुगम आवागमन को दृष्टिगत रखते हुए अतिक्रमण टीम द्वारा नगर के विभिन्न बाजार क्षेत्रों सुभाष चौक,स्टेशन रोड मुख्य मार्ग, सिल्वर टॉकीज खोवा मंडी मार्ग, झंडा बाजार एवं बरगवां मुख्य मार्ग में भी अभियान चलाकर अव्यवस्थित फल ठेला संचालकों तथा सार्वजनिक मार्गों में रखी दुकान सामग्री को व्यवस्थित करने की कार्यवाही की गई इस दौरान अतिक्रमण कर्ताओं पर कुल 2800 रुपये का स्पॉट फाइन भी अधिरोपित किया गया।

निगम की अतिक्रमण शाखा द्वारा उपनगरीय क्षेत्र माधवनगर में विशेष अभियान चलाकर नाले के ऊपर किए गए अतिक्रमण को हटाया गया। यह कार्यवाही वर्षा ऋतु के दौरान जलभराव की संभावित समस्या को रोकने एवं जल निकासी व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के उद्देश्य से की गई।

नगर निगम प्रशासन ने नागरिकों से सार्वजनिक स्थलों पर अवैध अतिक्रमण एवं अवैध होर्डिंग्स-बैनर लगाने से बचने की अपील नागरिकों से की गई है।

खबर संक्षेप

एक माह में तीन चोरियां, ढाई लाख के जेवर-नकदी पार, ग्रामीणों में आक्रोश

छतरपुर। जिले के थाना ओरछा रोड अंतर्गत ग्राम कैड़ी में लगातार बढ़ रही चोरी की घटनाओं ने ग्रामीणों की नींद उड़ा दी है। बीती रात चोरों ने गांव के दो घरों मिहीलाल पटेल एवं संतोष पटेल के घर को निशाना बनाते हुए नगदी एवं जेवरात पर हाथ साफ कर दिया। बताया जा रहा है कि चोर लाखों रुपए के सामान और नकदी लेकर फरार हो गए। लगातार हो रही वारदातों से गांव में दहशत और आक्रोश का माहौल बना हुआ है।ग्रामीणों के अनुसार पिछले एक माह के भीतर गांव में चोरी की यह तीसरी बड़ी घटना है। करीब ढाई लाख रुपए की चोरी होने के बावजूद अब तक पुलिस किसी भी मामले का खुलासा नहीं कर सकी है। इससे पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े होने लगे हैं। लोगों का कहना है कि गांव में लगातार हो रही घटनाओं के बाद भी बदमाशों के मन में कानून का कोई डर नजर नहीं आ रहा है। पीड़ित मिहीलाल पटेल एवं संतोष पटेल ने आरोप लगाया है कि पुलिस चोरी की घटनाओं के खुलासे में लापरवाही बरत रही है। उनका कहना है कि शिकायत के बाद केवल औपचारिक कार्रवाई की जा रही है, लेकिन चोर अब तक पुलिस गिरफ्त से बाहर हैं। ग्रामीणों ने क्षेत्र में रात्रि गश्त बढ़ाने और जल्द से जल्द आरोपियों को पकडने की मांग की है।लगातार हो रही चोरियों को देखकर ग्रामीणों में यह चर्चा भी है कि मानो चोरों ने पुलिस को खुली चुनौती दे रखी हो। लोगों का कहना है कि यदि जल्द ही चोरियों का खुलासा नहीं हुआ तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

इमलीडोल एवं हाथीडोल में गहराया जल संकट, बूंद-बूंद पानी को परेशान ग्रामीण

हरिभूमि न्यूज ⏭ तेंदूखेड़ा

नगर से लगभग 12 किलोमीटर दूर जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत इमलीडोल एवं इसके अंतर्गत आने वाले ग्राम हाथीडोल में इन दिनों भीषण जल संकट की स्थिति बनी हुई है। दोनों गांवों के ग्रामीण पेयजल की भारी समस्या से जूझ रहे हैं। हालात इतने गंभीर हो चुके हैं कि लोगों को कई किलोमीटर दूर से पानी लाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। यहां सतधरू योजना फेल है ग्रामीणों ने जिला प्रशासन एवं कलेक्टर से तत्काल हस्तक्षेप कर स्थायी समाधान की मांग की है। ग्राम इमलीडोल में लगभग डेढ़ सौ परिवारों के लिए केवल एक हैंडपंप ही पानी का सहारा बचा हुआ है। भीषण गर्मी के बीच सुबह से देर रात तक लोग पानी भरने के लिए कतार में खड़े रहते हैं। महिलाओं और बच्चों को सुबह-सुबह नंबर लगाकर घंटों अपनी बारी का इंतजार करना पड़ता है। ग्रामीणों का आरोप है कि जल जीवन मिशन के तहत होने वाली पानी सप्लाई लगातार आठ-आठ दिनों तक बंद रहती है, जिससे लोगों की परेशानी और बढ़ गई है। गांव में अन्य कोई वैकल्पिक जल स्रोत उपलब्ध नहीं होने के कारण सभी परिवार इसी एक हैंडपंप पर निर्भर हैं। गांव के निवासी भागसिंह ठाकुर, हल्की भाई, प्रेमवती, अभिलाष एवं राजरानी ने बताया कि पानी की समस्या के कारण दैनिक जीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। पीने के पानी के साथ-साथ घरेलू कार्यों के लिए भी लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। कई बार अधिकारियों को सूचना देने के बावजूद अब तक समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया गया है। वहीं ग्राम पंचायत के ग्राम हाथीडोल की स्थिति इससे भी अधिक गंभीर बनी हुई है। गांव में विद्यालय स्थित होने के बावजूद वहां एक भी हैंडपंप उपलब्ध नहीं है। ग्रामीण निजी बोर और निजी बसाहटों से पानी लाने को मजबूर हैं। जब निजी बोर भी जवाब दे देते हैं, तब पूरे गांव के लोग लगभग 3 किलोमीटर दूर स्थित हेमहाऊ झिरिया से पानी लाकर अपनी जरूरतें पूरी करते हैं। ग्रामीणों ने बताया कि गांव में संचालित नल-जल एवं अन्य पेयजल योजनाएं पूरी तरह फेल साबित हो रही हैं। कभी 10 दिन मै ,15 दिन में तो कभी 20 दिन में पानी पहुंचता है पानी की टंकी शोपीस है गांव के जवाहर सिंह, कौशल्या, मनीषा, प्रीति, ललिता बाई एवं बबलू सहने ने बताया कि महीने में केवल एक-दो बार ही पानी की सप्लाई हो पाती है, वह भी भगवान भरोसे। ऐसे में ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों के अनुसार इस संबंध में जबेरा तेंदूखेड़ा जलप्र विदाय विभाग के अधिकारियों से कई बार चर्चा की गई, लेकिन अधिकारियों का कहना है कि पहाड़ी क्षेत्र होने के कारण यहां पानी पहुंचाने में काफी दिक्कतें आती हैं। ग्रामीणों का कहना है कि तकनीकी समस्याओं का खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने कलेक्टर महोदय से मांग की है कि दोनों गांवों में तत्काल वैकल्पिक पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, नए हैंडपंप लगाए जाएं तथा जल जीवन मिशन की नियमित सप्लाई बहाल की जाए, ताकि लोगों को राहत मिल सके। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो आने वाले दिनों में जल संकट और गहरा सकता है।

इनका कहना है

इस संबंध में प्रबंधक जनसहभागिता दमोह मनोज राज से बात की गई तो उनका कहना था कि ऐसी जानकारी तो मेरे पास नहीं है किसी ग्राम में पानी नहीं पहुंच रहा है लेकिन आपके द्वारा इस संबंध में मुझे बताया गया है मैं तत्काल ही दिखवाता हूं कि क्या समस्या है पानी क्यों नहीं पहुंच रहा है।

इनका कहना है

जल निगम के सहायक प्रबंधक भरत विश्वकर्मा ने बताया कि मैं बुधवार को ही इमलीडोल,हाथीडोल ग्राम पहुंचकर वहां की समस्या का समाधान करवाता हूं ताकि किसी को गर्मी में पानी की परेशानी ना हो।

इनका कहना है

इस संबंध में जनपद सीईओ मनीष बागरी ने कहा कि तुरंत ही जल मिशन के कर्मचारी एवं अधिकारियों से बात करके उनको इमलीडोल पहुंचाता हूं पेयजल के लिए ग्रामीणों को कोई भी परेशानी नहीं होने दूंगा ।

भगवान बिरसा मुंडा प्रतिमा मामले में अधिकारियों ने किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭ बनवार

महादेव घाट स्थित भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा खंडित पाए जाने के मामले में प्रशासन द्वारा स्थल का विस्तृत निरीक्षण किया गया। नायब तहसीलदार अटल बिहारी वर्मा ने राजस्व एवं पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और पंचनामा तैयार कराया।

निरीक्षण के दौरान राजस्व विभाग के अधिकारी, आरआई, पटवारी, सचिव एवं पूर्व सरपंच सतेंद्र सिंह रोड़ सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। मौके पर मौजूद स्थानीय आदिवासी समाज के लोगों ने किसी भी प्रकार की तोड़फोड़ या शरारती तत्वों की संलिप्तता से स्पष्ट रूप से इनकार किया। प्रथम दृष्टया जांच में यह सामने आया कि प्रतिमा को क्षति हाल ही में आए तेज आंधी-तूफान के कारण हुई प्रतीत होती है। अधिकारियों के अनुसार प्रतिमा में दाहिने पैर में दरार, कंधों के नीचे क्षति तथा धनुष-तुणीरधर का हिस्सा अलग होने जैसी स्थिति पाई गई है, जो प्राकृतिक कारणों से हुई प्रतीत होती है। नायब तहसीलदार अटल बिहारी वर्मा ने बताया कि एसडीएम के निर्देश पर स्थल निरीक्षण किया गया है। प्रारंभिक जांच में किसी प्रकार की छेड़छाड़ या तोड़फोड़ के प्रमाण नहीं मिले हैं। स्थानीय लोगों एवं जनप्रतिनिधियों ने भी किसी प्रकार के आरोप-प्रत्यारोप नहीं लगाए हैं। इधर, स्थानीय आदिवासी समाजजनों ने मांग की है कि प्रतिमा में पैर सहित दो-तीन स्थानों पर दरारें (क्रैक) मौजूद हैं, जिससे यह अत्यंत संवेदनशील स्थिति में है। समाजजनों ने प्रशासन से प्रतिमा की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है, ताकि भविष्य में आंधी-तूफान या अन्य कारणों से प्रतिमा को और अधिक क्षति न पहुंचे या वह गिरने की स्थिति में न आए।

थाना पुलिस की जांच में भी प्रारंभिक रूप से यही तथ्य सामने आए हैं कि प्रतिमा को क्षति प्राकृतिक कारणों से हुई हो सकती है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि पूरे मामले की विस्तृत जांच जारी है और अंतिम निष्कर्ष जांच रिपोर्ट के आधार पर ही तय किया जाएगा।

स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन गुरूवार को

तेंदूखेड़ा। गुरूवार को नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन दोपहर 12 बजे से किया जाएंगा। सीबीएमओ अशोक बरौनिया ने बताया कि कोई भी सामान्य व्यक्ति रक्तदान कर सकता हैं रक्त दान से किसी की जिंदगी बचाई जा सकती हैं, रक्तदान हृदय स्वास्थ्य बेहतर बनाता हैं, नया रक्त बनने में मदद करता हैं, मानसिक संतुष्टि प्रदान करता हैं, कई गंभीर बीमारियों में मददगार होता हैं रक्तदान करना साथ ही नगर के लोगों से अपील की हैं कि अधिक से अधिक संख्या में रक्तदान करें। नगर के स्वास्थ्य केंद्र में ब्लड यूनिट बैंक की स्थापना हो चुकी हैं, जो ब्लड आएंगा उसको ब्लड बैंक में जमा कराया जाता हैं साथ ही नगर में आसानी से उपलब्ध हो सकेगा।

दमोह रेलवे स्टेशन पर 19 वर्षों से जारी निशुल्क प्याऊ सेवा

हरिभूमि न्यूज ⏭ दमोह

प्रदेश के संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग राज्यमंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी आज दमोह रेलवे स्टेशन पहुंचे, जहां हरे माधव परमार्थ सत्संग समिति द्वारा संचालित निशुल्क प्याऊ सेवा का अवलोकन किया। समिति पिछले 19 वर्षों से रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को निशुल्क शीतल जल उपलब्ध करा रही है। इस दौरान राज्यमंत्री श्री लोधी ने स्वयं यात्रियों को पानी पिलाकर सेवा कार्य में सहभागिता निभाई तथा समिति के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी में जरूरतमंदों की सेवा करना सबसे बड़ा पुण्य कार्य है और "मानव सेवा ही माधव सेवा है" की भावना समाज को नई प्रेरणा देती है, उन्होंने समिति के सदस्यों एवं सहयोगियों को इस निरंतर जनसेवा के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ऐसे सामाजिक कार्य समाज में सकारात्मक ऊर्जा और मानवीय संवेदनाओं को मजबूत करते हैं।

भगवान की कथा जीवन की व्यथा मिटाने वाली: पं देवव्रत शास्त्री

हरिभूमि न्यूज ⏭ दमोह

शहर के वार्ड क्रमांक 5 बजरिया कन्या शाला के पास स्थित मां दरबार में पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर चल रही श्रीमद् भागवत कथा में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। कथा का वाचन राष्ट्रीय कथा व्यास पंडित देवव्रत शास्त्री द्वारा किया जा रहा है। कथा के दौरान पंडित श्री ने कहा कि भगवान की कथा मानव जीवन की सभी व्यथाओं को समाप्त करने वाली होती है। उन्होंने कहा कि यह कलिकाल में भागवत कथा ही कल्पवृक्ष के समान है, जो सभी इच्छाओं की पूर्ति और धर्म की रक्षा का मार्ग दिखाती है। उन्होंने बताया कि श्रीमद् भागवत ग्रंथ स्वयं भगवान श्रीकृष्ण का साक्षात स्वरूप माना गया है। कथा प्रसंग में उन्होंने कहा कि जब भगवान श्रीकृष्ण 125 वर्ष बाद धरा धाम से जाने लगे, तब उद्धव जी ने प्रश्न किया कि धर्म की रक्षा कौन करेगा, तब भगवान ने कहा कि कलियुग में भागवत कथा ही धर्म की रक्षा करेगी।

महाराज श्री ने आगे कहा कि आज मनुष्य भटक रहा है और गलत मार्ग पर जा रहा है, ऐसे में कथाएं उसे सही दिशा प्रदान करती हैं। परोपकार, दया, और जरूरतमंदों की सहायता ही सच्चा धर्म है। कथा सुनकर मनुष्य को सही जीवन जीने की प्रेरणा मिलती है। धुंधकारी प्रसंग का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि जो व्यक्ति अपने माता-पिता और परिजनों के साथ छल-कपट करता है, उसे न इस लोक में और न ही परलोक में शांति प्राप्त होती है। आयोजक सिया बाई पटेल, राजेश पटेल, मनोज पटेल एवं समस्त भक्तजनों ने क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कथा श्रवण कर जीवन को कृतार्थ करने का आह्वान किया है। यह कथा 18 मई से 24 मई तक प्रतिदिन शाम 4 बजे से 7 बजे तक आयोजित की जा रही है।

दुर्गा वाहिनी प्रशिक्षण से लौटी बहनों का हटा में भव्य स्वागत

दमोह। विश्व हिंदू परिषद के तत्वावधान में आयोजित दुर्गा वाहिनी प्रशिक्षण अभ्यास वर्ग का आयोजन सीधी जिले में संपन्न हुआ। इस प्रशिक्षण वर्ग में दमोह से दुर्गा वाहिनी की बहनों ने भाग लिया था। प्रशिक्षण पूर्ण कर लौटने पर हट्टा प्रखंड की बहनों का नगर में भव्य स्वागत-सम्मान किया गया। हट्टा स्थित श्री राम मंदिर बड़ा बाजार हट्टा में विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल, दुर्गा वाहिनी, मातृशक्ति एवं समाजजनों द्वारा कार्यक्रम आयोजित कर प्रशिक्षण प्राप्त कर लौटी बहनों का अंगवस्त्र एवं पुष्पमाला से सम्मान किया गया। हट्टा से प्रशिक्षण वर्ग में सम्मिलित हुई दुर्गा वाहिनी की बहनों में कुंवारी अंशिका राय, कुंवारी निहारिका रैकवार एवं कुंवारी रजवी राजे पटेरिया शामिल रहीं। स्वागत कार्यक्रम में सुशीला रैकवार, खुशी राय, गीता रैकवार, मोना राय, सुषमा राय, द्वारिका प्रसाद मिश्रा राजेश पटेरिया, , बबलू राय, भरत राय जितेंद्र राजपूत, अभय राठौर, संजय राय, नितिन सोनी एवं सुभाष जैन सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं समाजजन उपस्थित रहे। सभी ने प्रशिक्षण प्राप्त कर लौटी बहनों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

हिण्डोरिया पुलिस ने पुणे महाराष्ट्र से नाबालिक अपहर्ता को किया दस्तयाब

दमोह। हिण्डोरिया पुलिस ने पुणे महाराष्ट्र से नाबालिक अपहर्ता को दस्तयाब किया है। बांदकपुर क्षेत्रांतर्गत नाबालिका के पिता द्वारा दिनाँक 14.05.26 की रात्रि में नाबालिका के घर से भाग जाने के संबंध में रिपोर्ट लेख कराई गयी थी रिपोर्ट पर थाना हिण्डोरिया में अपराध पंजीबध्द किया गया नवागत पुलिस अधीक्षक आनंद कलादगी द्वारा नाबालिका की दस्तयाबी हेतु हिण्डोरिया पुलिस को तत्काल निर्देशित किया गया था। अति. पु. अधी. सुजीत भदौरिया तथा एसडीओपी पथरिया प्रिया सिंधी एवं थाना प्रभारी हिण्डोरिया धर्मेन्द्र उपाध्याय के मार्गदर्शन में दमोह पुलिस ने महाराष्ट्र पुलिस से संपर्क स्थापित कर नाबालिका को पुणे महाराष्ट्र से दस्तयाब किया गया। टीम में सउनि राजेन्द्र मिश्रा चौकी प्रभारी बांदकपुर, प्र.आर. जगदीश शर्मा म.प्रआर. सावित्री एवं सायबर सेल दमोह की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

अवैध शराब पर की गई कार्यवाही

दमोह। पुलिस अधीक्षक आनंद कलादगी द्वारा अवैध शराब विक्रय पर चलाए जा रहे अभियान अंतर्गत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुजीत भदौरिया एवं एसडीओपी पथरिया प्रिया सिंधी एवं थाना प्रभारी हिण्डोरिया धर्मेन्द्र उपाध्याय के मार्गदर्शन में दिनाँक 18.05.26 की रात्रि में हिण्डोरिया पुलिस मुखबिर द्वारा अवैध शराब के परिवहन की सूचना प्राप्त हुई जिस पर पुलिस द्वारा ग्राम हिनोता खेर माता मंदिर के पास सिल्वर रंग की होण्डा कार MP 04 CB 6575 को रोकने का प्रयास किया गया जो पुलिस को देखकर भाग गयी जिस पर पुलिस द्वारा पीछा कर कार को टिकरी के पास पकड़ा गया कार चालक पवन ठाकुर निवासी जटाशंकर एवं साथ ही मुकेश लोधी निवासी टिकरी पिपरिया भाग गयें। पुलिस द्वारा गाडी चेक करने पर गाड़ी में 25 पेटी देशी लाल शराब कुल 225 लीटर कीमती 1,25000/- रूपए की एवं होण्डा कार कीमती 3,00000/- रूपए को जब्त कर आबकारी अधिनियम अंतर्गत कर कार्यवाही की गई। उक्त कार्यवाही में पुलिस टीम में सउनि राजेन्द्र मिश्रा चौकी प्रभारी बांदकपुर, प्र.आरक्षक भूपेन्द्र राजपूत, आरक्षक दीपचंद एवं सायबर सेल दमोह की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

भव्य कलश यात्रा के साथ श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ⏭ बनवार

समीपस्थ ग्राम सलैया चौबीसा में से सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का भव्य शुभारंभ कलश यात्रा के साथ हुआ। पूरे गांव में भक्ति और उत्साह का वातावरण देखने को मिला। कथा प्रवक्ता आचार्य पंडित आशीष कृष्ण शास्त्री (सगरा, दमोह) के सानिध्य में निकली कलश यात्रा में आसपास के ग्रामों के श्रद्धालु बड़ी संख्या में शामिल हुए। गाजे-बाजे के साथ श्रद्धालु गांव की गलियों से होते हुए ग्राम देवताओं के मंदिरों तक पहुंचे और विधिवत पूजन किया। इसके बाद यात्रा गांव के बाहर स्थित श्री हनुमान जी मंदिर पहुंची, जहां विशेष पूजा-अर्चना के पश्चात कुएं से कलशों में जल भरा गया। इसके बाद कलश यात्रा पुनः गांव का भ्रमण करते हुए कथा स्थल पर पहुंची, जहां विधिवत रूप से कथा का शुभारंभ किया गया। कथा के प्रथम दिवस पर आचार्य आशीष कृष्ण शास्त्री ने श्रीमद् भागवत महापुराण की महिमा का विस्तार से वर्णन किया। उन्होंने आत्मदेव ब्राह्मण के जीवन प्रसंग के माध्यम से बताया कि किस प्रकार संत के आशीर्वाद से भगवत कृपा प्राप्त होती है और जीवन में परिवर्तन आता है। उन्होंने नारद जी के पूर्व चरित्र का भी भावपूर्ण वर्णन किया तथा कहा कि भागवत के चार अक्षर जीवन को आध्यात्मिक रूप से परिवर्तित करने की शक्ति रखते हैं 'भा' भक्ति, 'गा' सद्गति, 'व' ईश्वर (ब्रह्म) और 'त' तत्त्व ज्ञान का प्रतीक है। कथा स्थल पर मुख्य श्रोता डाल सिंह सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे। पूरे आयोजन में भक्तिमय वातावरण और "जय श्रीकृष्ण" के जयकारे गूंजते रहे।बता दें श्रीमद् भागवत का श्रवण जीवन को भक्ति, ज्ञान और सद्गति की ओर अग्रसर करता है।

आस्ट्रेलियाई हॉकी टीम का भोपाल आगमन

दमोह। हॉकी इंडिया भारतीय खेल प्राधिकरण साई के तत्वावधान मे आस्ट्रेलियाई हॉकी टीम का भोपाल आगमन हॉकी मध्य प्रदेश महासचिव लोकबहादुर के अनुसार भारत के दौरे पर आस्ट्रेलियाई हॉकी टीम बालक बालिकाओ की अठारह वर्ष से कम आयु समूह का भोपाल विगत दिवस आगमन हुआ। आस्ट्रेलियाई हॉकी टीम का सम्मान साई कोच सुधाकरन के नेतृत्व मे परवीन सरोज राजपूत ने आस्ट्रेलियाई हॉकी की महिला कोच खिलाडियो का आत्मीय स्वागत किया। आस्ट्रेलियाई कोच ने भारतीय परंपरा से हुये स्वागत से खुश नजर आये। भोपाल के साई सेंटर पर भारतीय जूनियर वर्ग की टीम से चार मैचो का आयोजन हो रहा है। इस आयोजन मे साई के संचालक चौहान सर का विशेष योगदान है। विदित हो कि हॉकी मध्य प्रदेश से पांच बालक चार बालिकाओ का चयन हुआ है। इस उपलब्धि पर हॉकी मध्य प्रदेश उपाध्यक्ष विजय वर्मा, गोर मास्साब, ललित नायक, जगेनदर तोमर, हरिशंकर राजेश सालोमन, आभा रोहित, भगवान सिंह, कफील खान, विजय ठाकुर, किशन सिंह अल्ताफ, विकास जैन, तरूण नामदेव, विवियन जुबेर आदि ने बधाई दी है।

गर्भगृह से लेकर पूजा घरों तक विराजित भगवान को गर्मी से बचाने भक्तों ने किए विशेष इंतजाम

मंदिरों का गर्भगृह ठंडा रखने एसी-कूलर,देवी देवताओं के बदल गए भोग और परिधान

हटा । शहर का तापमान 45 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया है, ऐसे में गर्मी की तपिश से देवालयों के गर्भगृह को ठंडा रखने एसी-कूलर का इंतजाम किया गया है। इसके अलावा मौसम के अनुकूल देवी-देवताओं को चढ़ाने वाले भोग-प्रसादी और श्रृंगार-परिधान में भी बदलाव किया गया है। भक्त मंदिरों से लेकर घर के पूजा स्थल पर अपने ईष्ट देवी-देवताओं को भोग-प्रसादी में ठंडी तासीर वाले पेय सत्तू, लस्सी, ठंडाई, शर्बत, शिकंजी व मौसमी फलों में तरबूज, खरबूजा, आम और मेवों का भोग अर्पित कर रहे हैं। मंदिरों में पुजारी सूती वस्त्रों व ठंडक देने वाले श्रृंगार सामग्री से देवी-देवताओं के साज-श्रृंगार कर रहे हैं। भगवान को गर्मी से बचाने के लिए नगर के मंदिरों में गर्भगृह के भीतर एसी- कूलर की व्यवस्था की गई है, ताकि मंदिर के गर्भगृह को ठंडा रखा जा सके। साथ ही मौसम के अनुरूप भगवान को प्रतिदिन लगाए जाने वाले भोग-प्रसाद में ठंडे पेय और ठंडक प्रदान करने वाली खाद्य वस्तुओं को शामिल किया जा रहा है। भीषण गर्मी पड़ते ही गर्भगृह के एयरकंडिशनर का स्वीच ऑन कर दिया गया है। मई में गर्मी की तपिश से पशु-पक्षी, इंसान खासे परेशान हो जाते हैं, ऐसे में भक्तों को भी फ्रिक होती है कि उनके भगवान को गर्मी न लगे। भगवान पर गहरी आस्था के चलते भक्तों ने मंदिरों के गर्भगृह से लेकर घर के पूजाघरों में स्थापित भगवान की प्रतिमाओं को गर्मी से बचाने एसी-कूलर एवं ठंडक देने वाले परिधान व भोग के मेनू में भी बदलाव किए हैं। अभिषेक स्नान में भी केसर व सुगंधित द्रव्यों का उपयोग व भगवान के श्रृंगार एवं शयन संस्कार के दौरान पहनाए जाने वाले वस्त्रों का भी विशेष ध्यान रखा जा रहा है। पीताम्बर पीठ मंदिर के पुजारी पंडित सोनू मिश्रा बताते हैं कि गर्मी के मौसम में मातारानी के श्रीविग्रह का श्रृंगार सूती साड़ी पहनाकर किया जाता है। गर्भगृह में मातारानी के लिए कूलर लगाई गई है। वहीं भोग में ठंडाई व आमरस भक्त चढ़ा रहे हैं।

जनप्रतिनिधियों की उदासीनता की चलते बाण तालाब की हो रही दुर्दशा

हरिभूमि न्यूज ⏭ जबेरा

शासन के द्वारा विभिन्न योजनाओं के माध्यम से नवीन तालाबों का निर्माण एवं प्राचीन जल स्त्रोतों का संरक्षण एवं जीर्णोद्धार कराया जा रहा है वहीं दूसरी तरफ जनपद पंचायत जबेरा मुख्यालय पर स्थित जबेरा का एकमात्र शासकीय बाण तालाब उपेक्षा के चलते अपना अस्तित्व खोने की कगार पर है। जिम्मेदारों की उदासीनता के चलते यह प्राचीन तालाब बहुत ही दयनीय हालत में पहुंच चुका है लगता है की प्रशासन के पास इस तालाब में सुधार एवं जीर्णोद्धार कार्य करने के लिए कोई योजना ही नहीं है। जबेरा की बड़ी आबादी के बीचो-बीच स्थित यह प्राचीन तालाब कभी नगर की अधिकांश आबादी का प्रमुख जल स्त्रोत हुआ करता था गर्मियों के सीजन में भी इसमें साफ एवं स्वच्छ पानी भरा होने के कारण समस्त ग्राम वासियों का नहाना ,कपड़े धोना आदि का निस्तार दिनभर होता था। एवं मवेशियों को पानी पीने का यही एकमात्र साधन भी हुआ करता था।*हर तरफ गंदगी एवं क्षतिग्रस्त हुए घाट इस प्राचीन तालाब के सुनहरे अतीत को देखकर कोई कल्पना भी नहीं कर सकता था कि यह प्राचीन तालाब इतनी दयानी अवस्था में पहुंचकर के अपना अस्तित्व खोने की कगार पर पहुंच जावेगा क्योंकि यह तालाब कभी संपूर्ण नगर वासियों के लिए प्रमुख जल स्त्रोत हुआ करता था वहीं अब जिम्मेदारों की उदासीनता की चलते कीचड़ एवं गंदगी से शरा बोर होकर के खड़ा होकर अंतिम सांसें ले रहा है। वही तालाब के घाटों पर लगे पत्थरों को लोग उठाकर के ले गए एवं जो भी शेष बचे हैं वह भी टूट-फूट कर बिखरे हुए पड़े हैं तालाब की मेड के चारों ओर गंदगी एवं कटीली झाड़ियां उग चुकी है यहां से लोगों का पैदल निकलना भी मुश्किल हो गया है।*मवेशियों को पानी की नहीं है कोई व्यवस्था तालाब के जीर्दशीद हालत में पहुंचने का दंश सबसे अधिक मूक प्राणी मवेशियों को झेलना पड़ता है क्योंकि इस भीषण गर्मी में मवेशियों को पानी पीने का प्रमुख साधन यही तालाब हुआ करता था जहां पर सैकड़ो की संख्या में प्रतिदिन मवेशी पानी पीकर के अपनी प्यास बुझाते थे। वहीं अब तालाब में पानी नहीं होने के कारण प्यास से व्याकुल मवेशियों को पानी की तलाश में इधर से उधर भटकना पड़ता है तथा कई मवेशी पानी के अभाव में दम भी तोड़ चुके हैं। सोचनीय बात यह है कि पूर्व में भी इस तालाब के बारे में समाचार प्रकाशित हो चुके हैं परंतु शासन प्रशासन एवं जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों के ऊपर कोई असर नहीं हुआ है। तालाब केवल पानी के स्त्रोत नहीं बल्कि हमारी ग्रामीण सभ्यता की आत्मा है इनकी उपेक्षा करना इस आत्मा पर सीधा प्रहार है।

खबर संक्षेप

राजपूत क्षत्रिय समाज के मेधावी छात्र होंगे सम्मानित

दमोह। 17 जून 2026 को वीरशिरोमणी महाराणा प्रताप जयंती पर स्व. हरि सिंह हजारी एवं श्रीमती श्याम बाई हजारी की स्मृति में राजपूत क्षत्रिय समाज के ऐसे मेधावी छात्र जिन्होनें इस वर्ष कक्षा 10 वीं एवं 12 वीं में 80 प्रतिशत अथवा उससे अधिक अंक प्राप्त किये है, उन्हें कार्यक्रम में सम्मानित किया जावेंगा, ऐसे राजपूत क्षत्रिय समाज के मेधावी छात्र अपनी अंक सूची राकेश सिंह हजारी फुटेरा वार्ड नं. 2, लक्ष्मण सिंह राजपूत पुराना थाना, बबलू ठाकुर जबलपुर नाका, धीरज सिंह परिहार हिनौता वालों के पास दिनांक 30 मई 2026 तक अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया है साथ ही दिनांक 17 जून 2026 को आयोजित कार्यक्रम में शाम 7-00 बजे महाराणा प्रताप भवन जटाशंकर के पास उपस्थित होने का अनुरोध किया गया है।

जनसुनवाई में 382 आवेदनों पर हुई सुनवाई

दमोह। कलेक्टर प्रताप नारायण यादव ने कलेक्टर कार्यालय के कक्ष क्रमांक 10 (व्यारमा) में आयोजित जनसुनवाई में जिले के दूरदराज क्षेत्रों से आये आवेदकों की समस्याओं को सुना। इस दौरान सामान्य जनसुनवाई में 382 आवेदनों पर सुनवाई करते हुये संबंधित अधिकारियों को समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिये। जनसुनवाई में 15 आधार अपडेशन एवं 205 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। साथ ही जनसुनवाई के दौरान कुछ सामूहिक आवदेन भी दिए गए। इस दौरान सीईओ जिला पंचायत प्रवीण फुलपगारे, डिप्टी कलेक्टर आर.एल बागरी, डिप्टी कलेक्टर रचना प्रजापति, लोकसेवा प्रबंधक चक्रेश पटेल सहित अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे। ग्राम पंचायत अभाना में जनसुनवाई हुई। इस दौरान आये आवेदको की सुनवाई की गई। इसी प्रकार अन्य चयनित पंचायतो में भी सुनवाई की गई। अभाना में आयोजित जनसुनवाई में सरपंच गोविंद सिंह लोधी सहित पंचायत स्तर के विभिन्न विभागो के कर्मचारी मौजूद रहे।

पूर्व सरपंच दीवान विक्रम सिंह का निधन

बनवार। रोड ग्राम पंचायत रौंड के प्रतिष्ठित दीवान परिवार के पूर्व सरपंच एवं वर्तमान सरपंच प्रतिनिधि दीवान श्री विक्रम सिंह जी का उपचार के दौरान जबलपुर अस्पताल में दुखद निधन हो गया। उनके निधन की खबर से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। दीवान विक्रम सिंह जी धार्मिक कार्यों में सदैव अग्रणी रहते थे और श्रीरामचरितमानस वाचन के लिए विशेष रूप से प्रसिद्ध थे। जनसेवा एवं सामाजिक कार्यों में उनका योगदान हमेशा स्मरणीय रहेगा। परिजनों द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार अंत्येष्टि दिनांक 20 को गृह ग्राम रौंड स्थित मुक्ति धाम में संपन्न की जाएगी।

नगर पालिका में पेट्रोल लेकर पहुंची महिला ने किया आत्मदाह का प्रयास

महिला कर्मचारियों ने छीनी पेट्रोल की वाटल, मौके पर पहुंची पुलिस

हरिभूमि न्यूज ⏭ हटा

नगर की एक महिला मंगलवार की दोपहर नगर पालिका में अपने साथ पेट्रोल की बोतल लेकर आत्मदाह करने की मंशा के चलते पहुंची लेकिन वहां मौजूद महिला कर्मचारियों ने महिला के हाथ से पेट्रोल की बोतल छीनकर तुरंत ही पुलिस बुला ली जिसके बाद महिला चली गई। दरअसल महिला अपने ससुर के मकान की रजिस्ट्री रुकवाने की मांग को लेकर नगर पालिका पहुंची थी। नगर पालिका अधिकारियों के अनुसार महिला काफी समय से उन्हें परेशान कर रही है। महिला की पहचान हटा के संजय वार्ड निवासी सरस्वती पति राजेंद्र हिंगवासिया के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार हटा नगर पालिका में पीड़ति महिला द्वारा दिए आवेदन में उल्लेख किया है कि वह संजय वार्ड में मकान नम्बर 85 में रहती है। महिला के ससुर जय प्रकाश हिंगवासिया उसे शारीरिक एवं मानसिक रूप से परेशान करते हैं। वह जिस मकान में रहती है उसका क्षेत्रफल 440 वर्गफुट का है। ज्ञान प्रकाश एवं गोविंद हिंगवासिया के बंटवारे में दानी महाराज को हक मिला था। दानी महाराज आपत्तिकर्ता को अपने हिस्से का मकान दे गए थे। जिसे पीड़ति के ससुर नगर पालिका रिकार्ड नक्शे में जोड़कर अपने नाम से दर्ज कराना चाहते हैं। जिस पर उनका कोई अधिकार नही है। महिला नगर पालिका की नामांतरण शाखा में करीब एक वर्ष से आपत्ति दर्ज करा रही है, लेकिन उसकी कोई सुनवाई नही हो रही है। जिससे आक्रोशित होकर वह पैट्रोल लेकर आत्मदाह करने नगर पालिका कार्यालय पहुंची थी। वही घटनाक्रम के बाद नगर पालिका के प्रभारी सीएमओ राजेन्द्र खरे हटा थाना पहुचे। थाना प्रभारी सुधीर बेगी को मामले की जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि सरस्वती हिंगवासिया करीब एक साल से नगर पालिका में आकर कर्मचारियों को परेशान कर रही है। एक हफ्ते पहले भी नगर पालिका आई थी तो मरने के लिए सीधे नगर पालिका के पीछे दौड़ते हुए पार्क में पहुंच गई। वहां महिला कर्मचारियों ने उसे पकड़कर समझाइश दी। आज पुनः महिला एक बोतल में पेट्रोल लेकर आई। पहले कर्मचारी अंकित निरंजन को तलाशती रही। जब वह नही मिला तो पेट्रोल अपने ऊपर डालने का प्रयास किया। उपस्थिति कर्मचारियों ने उसे पकड़ लिया। यदि महिला कोई भी आत्मघाती कदम उठाती है तो उसमें नगर पालिका के कर्मचारी बेवजह न फसे। महिला और उसके ससुर के बीच का विवाद है। बहरहाल पुलिस पूरे मामले की जांच करने में जुट गई है।

दमोह से रवाना हुई वातानुकुलित तीर्थ यात्रा ट्रेन, 263 यात्री हुये शामिल

हरिभूमि न्यूज ⏭ दमोह

जिस प्रकार पौराणिक कथाओं में श्रवण कुमार ने अपने माता-पिता को कांवड़ में बैठाकर तीर्थ यात्रा कराई थी, उसी भावना के साथ मध्यप्रदेश सरकार में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश के वृद्ध माता-पिता (बुजुर्गो) को तीर्थ दर्शन कराने का कार्य कर रही है, पिछले वर्ष 50 हजार से अधिक वृद्धजनो (बुजुर्गो) ने इस योजना का लाभ प्राप्त किया। श्रद्धालुओं की बढ़ती मांग को देखते हुए अयोध्या धाम के लिए भी विशेष ट्रेनों का संचालन किया गया। राम मंदिर निर्माण के बाद बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की इच्छा अयोध्या जाकर भगवान श्रीराम के दर्शन करने की रही है। इसी को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री की अनुमति से अयोध्या के लिए छह विशेष ट्रेनें चलाई गईं, आने वाले समय में श्रद्धालुओं की सुविधा के अनुसार अयोध्या सहित अन्य प्रमुख धार्मिक स्थलों के लिए भी पर्याप्त संख्या में विशेष ट्रेनों का संचालन किया जाएगा। इस आशय के विचार प्रदेश के संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग (स्वतंत्र प्रभार) राज्यमंत्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी ने मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत वैष्णो देवी के लिए वातानुकूलित ट्रेन के रवाना होने के दौरान व्यक्त किये। उन्होने यहां तीर्थ यात्रियों का पुष्पमाला, पुष्पगुच्छ भेंटकर आत्मीय स्वागत, सम्मान किया और हरी झंडी दिखाकर ट्रेन को रवाना किया।

राज्यमंत्री श्री लोधी ने कहा धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग द्वारा मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के अंतर्गत दमोह से वैष्णो देवी यात्रा के लिए विशेष वातानुकूलित (AC) ट्रेन रवाना की गई। इस यात्रा में जिले के 263 श्रद्धालुओं ने सहभागिता की। यात्रियों की सुविधा, सुरक्षा और स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए विभाग द्वारा व्यापक प्रबंध किए गए हैं, उन्होने कहा प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव श्रवण कुमार की भूमिका निभाते हुए प्रदेश के वरिष्ठ नागरिकों एवं श्रद्धालुओं को तीर्थ यात्रा कराने का पुण्य कार्य कर रहे हैं। सभी यात्रियों की सुखद, सुरक्षित एवं मंगलमय यात्रा के लिए शुभकामनाएं व्यक्त की। राज्यमंत्री श्री लोधी ने कहा विभाग द्वारा निर्देश दिए गए हैं कि गर्मी के मौसम को देखते हुए तीर्थ दर्शन योजना के अंतर्गत संचालित सभी ट्रेनें वातानुकूलित (AC) रहेंगी। यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए ट्रेन में भोजन, पेयजल, चिकित्सा एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं, उन्होने कहा गर्मी समाप्त होने के बाद आवश्यकता अनुसार सामान्य ट्रेनों का संचालन किया जाएगा, किंतु वर्तमान में यात्रियों की सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता है।

रेल्वे स्टेशन से अमृतसर वैष्णोदेवी के लिये प्रदेश के संस्कृति,पर्यटन राज्यमंत्री धर्मेन्द्र सिंह ने लोधी ने तीर्थ यात्रियों को पुष्पगुच्छ भेंट कर गाजे -बाजे के साथ प्रस्थान कराया। पूरा वातावरण धार्मिक स्वरूप में संपन्न हुआ। कलाकारों द्वारा भगवान कृष्ण और राधा का स्वरूप रखकर यात्रियों का मन मोहा और भक्तिमय वातावरण में अपनी तीर्थ यात्रा के लिये रवाना हुये। रेल्वे स्वागत द्वार पर भक्त श्रवण कुमार के दो स्वरूप में देखे गये जिन्होंने अपने माता-पिता को कंधे पर बैठाकर तीर्थ यात्रा कराई थी।

इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष श्याम शिवहरे, कलेक्टर प्रताप नारायण यादव, लोकेंद्र लकी पटेल, संजय सेन, राघवेंद्र परिहार,संजय यादव, सुरेश पटेल, रमाकांत बाजपेई, रिंकू गोस्वामी, आलोक गोस्वामी, राजू ठाकुर यशपाल ठाकुर, एसडीएम सौरभ गंधर्व, डिप्टी कलेक्टर आर.एल बागरी, तहसीलदार रॉबिन जैन, स्टेशन प्रबंधक श्री जैन, सीएमओ राजेन्द्र सिंह लोधी, जुगल अग्रवाल, कविता राय, अर्चना जैन, बबली विश्वकर्मा, कृष्ण सेंगर, नर्मदा सिंह एकता, सुधा झरिया, सृजन असाटी, स्वप्निल प्यासी, कृष्णा पटेल, मनोज खरे, कमल सिंघई, सम्मानीय मीडियाजन और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

स्पीड ब्रेकर पर ट्रक की रफ्तार कम करने से पीछे चल रहा ट्रक टकराया

तेंदूखेड़ा। तेंदूखेड़ा मंगलवार की सुबह तहसील कार्यालय के सामने दो ट्रकों की टक्कर हो गई। इस हादसे में एक ट्रक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, हालांकि किसी को कोई गंभीर चोट नहीं आई और एक बड़ा हादसा होने से टल गया। पुलिस के अनुसार, पीछे चल रहे ट्रक के चालक को अचानक जैसे ही वह तेंदूखेड़ा नगर में प्रवेश किया तो तहसील कार्यालय के सामने वाहनों की रफ्तार कम करने के लिए ब्रेकर बने हुए हैं जहां आगे चल रहे ट्रक के चालक ने ब्रेकर पर ट्रक की रफ्तार कम की और एक दम से मुझे नींद का झोंका आ गया, जिससे वह आगे चल रहे ट्रक से टकरा गया घटना के समय सड़क पर भीड़भाड़ नहीं थी और पीछे के ट्रक चालक ने तुरंत ब्रेक लगा दिए, जिससे स्थिति और बिगड़ने से बच गई हादसा देर-रात 3 बजे हुआ है। इस हादसे में ट्रक चालक मानवेंद्र सिंह ने बताया कि जिस ट्रक से टक्कर हुई है वह पंजाब से रायपुर जा रहा था जिसमें ट्रैक्टर की सामग्री रखी हुई है जबकि हादसाग्रस्त ट्रक हिमाचल प्रदेश से जबलपुर जा रहा था जिसमे आर्मी वाली की सामग्री रखी हुई थी दोनों ट्रक एक-दूसरे के पीछे चल रहे थे। इस घटना में किसी प्रकार की कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है।

अवैध गांजा की तस्करी करने वाले आरोपी पुलिस गिरफ्त में

हरिभूमि न्यूज ⏭ दमोह

पुलिस अधीक्षक महोदय के निर्देशन एवं श्रीमान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय एवं श्रीमान अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) हटा के मार्गदर्शन में गैसाबाद पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। दिनांक 18/05/26 की विगत रात्रि मे सूचना तंत्र से जानकारी प्राप्त हुई कि एक मोटरसाईकिल पर एक पुरुष एवं एक महिला द्वारा अवैध रुप गांजा की तस्करी किये जाने की सूचना प्राप्त होने पर थाना से सूचना तस्दीक एवं कार्यवाही किये जाने हेतु थाना गैसाबाद क्षेत्रान्तर्गत नकटी तिराहा हटा पन्ना रोड पर बल्ब के उजाले मे छिपकर मुखबिर के बताये अनुसार एक व्यक्ति मोटरसाईकिल चलाता हुआ एवं पीछे एक महिला बैठी हुई दिखे जिन्हे घेराबन्दी कर रोका जिनसे नाम पता पूछने पर मोटरसाईकिल चालक द्वारा अपना नाम छोटेलाल मुडा पिता रघुनाथ मुडा उम्र 40 साल निवासी जटाशंकर कॉलोनी दमोह एवं मोटरसाईकिल पर पीछे बैठी हुई महिला ने अपना नाम पद्मिनी पति देशराज कुशवाहा उम्र 54 साल निवासी ग्राम पुट्टीबंध थाना धानूपाली जिला संभलपुर उडिसा का होना बताया, जिनसे दौरान पूंछताछ एवं तलाश किये किये जाने पर दोनो के कब्जे से 04 किलो 90 ग्राम मादक पदार्थ गांजा कीमती करीवन 60,000 /- रुपये का जप्त किया गया एवं दोनो आरोपियो के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट की धाराओ के तहत कार्यवाही कर गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। संपूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी गैसाबाद उनि सौरभ शर्मा, सउनि मनोहरलाल ठाकुर , प्रआर तुलसीराम पटैल, आरक्षक ऋषिराज चौहान, रामसींग ठाकुर संदीप कुर्मी , आरक्षक अकरम महिला आरक्षक का विशेष योगदान रहा।

ड्रिंक एण्ड ड्राईव करने वालों पर कार्यवाही

दमोह। ड्रिंक एण्ड ड्राईव करने वाले 04 मोटर साईकिल चालक एवं 01 कार चालक पर माननीय न्यायालय द्वारा लगाया गया कुल 55,000 रूपये का जुर्माना लगाया है। आनंद कलादगी पुलिस अधीक्षक जिला दमोह के निर्देशन में एवं सुजीत सिंह भदौरिया अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जिला दमोह के मार्गदर्शन में यातायात पुलिस द्वारा लगातार कार्यवाही की जा रही है। दिनांक 17.05.2026 को थाना प्रभारी यातायात निरीक्षक दलबीर सिंह मार्को द्वारा थाना यातायात स्टाफ के साथ वाहनों की सघन चौकिंग की गई। चैकिंग के दौरान ड्रिंक एण्ड ड्राईव करने वाले 04 मोटर साईकिल एवं 01 कार को जप्त कर थाना परिसर में खडा किया गया था। जिनके प्रकरण दिनांक 18.05.2026 को माननीय न्यायालय के समक्ष निराकरण हेतु प्रस्तुत किये गये। माननीय न्यायालय द्वारा 04 मोटर साईकिल चालकों पर 45,000 रूपये एवं 01 कार चालकों पर 10,000 रूपये कुल 50,000 रूपये का जुर्माना लगाया गया।

रबी गेहूं उपार्जन में अनियमितता पर समिति प्रबंधक निलंबित

आकस्मिक निरीक्षण में सामने आई गंभीर लापरवाही

दमोह। पटेरा क्षेत्र अंतर्गत गेहूं उपार्जन केंद्र पडरी सहजपुर में रबी विपणन वर्ष 2026-27 के समर्थन मूल्य उपार्जन कार्य के दौरान गंभीर अनियमितताएं पाए जाने पर समिति प्रबंधक प्रिंस साहू को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है, महाप्रबंधक एवं प्रभारी शाखा प्रबंधक पटेरा द्वारा किए गए आकस्मिक निरीक्षण में यह पाया गया कि उपार्जन नीति के विरुद्ध निर्धारित वजन से अधिक तौल की जा रही थी तथा अमानक एवं घुनायुक्त गेहूं का क्रय किया गया। निरीक्षण के दौरान केंद्र पर अनुपस्थित रहने एवं लापरवाहीपूर्ण कार्यप्रणाली के कारण प्रशासन ने कड़ी कार्रवाई की है। जारी आदेशानुसार निलंबन अवधि में श्री साहू का मुख्यालय शाखा तारादेही निर्धारित किया गया है। इस अवधि में उन्हें नियमानुसार केवल जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा, अन्य कोई आर्थिक लाभ प्रदान नहीं किया जाएगा। प्रशासन द्वारा निर्देशित किया गया है कि श्री साहू तत्काल अपना संपूर्ण प्रभार शाखा प्रबंधक पटेरा के निर्देशानुसार सौंपकर भारमुक्त हों तथा निर्धारित मुख्यालय शाखा तारादेही में अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करें।

पेंशनर संघों के प्रतिनिधियों ने पुलिस अधीक्षक का किया स्वागत

हरिभूमि न्यूज ⏭ दमोह

जिला दमोह के सभी पेंशनर संघों के प्रतिनिधियों द्वारा पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंच कर दमोह जिला के नवागत पुलिस अधीक्षक आनंद कालदगी से भेट कर पुष्प गुच्छ से उनका स्वागत किया गया। पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा सभी पेंशनर्स संघों को पेंशनरों की समस्याओं के निराकरण हेतु आश्वस्त किया गया। सभी ने पुलिस पेंशनर्स संघ कार्यालय हेतु पुलिस कॉलोनी या पुरानी पुलिस लाइन से एक कक्ष आवंटन किए जाने का अनुरोध किया इसके लिए उन्होंने कक्ष के लिए आश्वस्त किया। सभी पेंशनर संघों ने नवागत पुलिस अधीक्षक का इसके लिए उनका आभार व्यक्त किया गया। स्वागत हेतु स्वामी अशोक तिवारी अध्यक्ष संयुक्त पेंशनर्स मोर्चा एवं अध्यक्ष प्रमुख पेंशनर्स ऐसोसिएशन, जगदीश चौबे प्रांतीय कार्यवाहक अध्यक्ष एवं अध्यक्ष प्रोग्रेसिव पेंशनर्स ऐसोसिएशन, प्रताप रोहित, अजाक्स पेंशनर्स प्रकोष्ठ प्रांतीय सदस्य, सत्यनारायण पांडे प्रगतिशील पेंशनर एसोसिएशन, के सी जैन पेंशनर्स समाज एवं विद्युत मंडल पेंशनर्स संघ, राज किशोर सेन संरक्षक पुलिस पेंशनर संघ, धन सिंह राजपूत अध्यक्ष पुलिस पेंशनर्स संघ, आर के मिश्रा अध्यक्ष पेंशनर्स समाज, एम एल सरैया कार्यवाहक अध्यक्ष पेंशनर्स समाज, पी एन अहिरवार कोषाध्यक्ष पेंशनर्स समाज, रमाकांत पाठक,महामंत्री प्रमुख पेंशनर्स ऐसोसिएशन, रोहणी गौतम , संतोष विश्वकर्मा, द्वारिका सेन अध्यक्ष नगरपालिका पेंशनर्स संघ, नरेंद्र सेन प्रोग्रेसिव पेंशनर एसोसिएशन, जगदीश यादव नगरपालिका पेंशनर संघ दमोह आदि उपस्थित रहे।

सीसीटीवी में कैद हुई वारदात, सुरक्षा व्यवस्था पर बड़े सवाल...

दमोह कृषि उपज मंडी चोरों के निशाने पर

व्यापारी बोले कार्रवाई नहीं हुई तो बंद होगी मंडी, होगा आंदोलन

हरिभूमि न्यूज ⏭ दमोह

दमोह की कृषि उपज मंडी में लगातार बढ़ रही चोरी की घटनाओं ने अब व्यापारियों और किसानों के सब्र का बांध तोड़ दिया है। मंडी परिसर में सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह सवालों के घेरे में है और जिम्मेदारों की निष्क्रियता पर व्यापारी खुलकर नाराजगी जाहिर कर रहे हैं।

18 मई की रात मंडी परिसर में हुई चोरी की घटना ने मंडी प्रबंधन की व्यवस्थाओं की गंभीर पोल खोल दी। चोर बेखौफ होकर मंडी में घुसे, अनाज पर हाथ साफ किया और आराम से निकल गए। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई, जिसमें साफ दिखाई दे रहा है कि चोरों के भीतर किसी प्रकार का भय नहीं था। यह दृश्य अपने आप में मंडी की सुरक्षा व्यवस्था पर बड़ा प्रश्नचिन्ह खड़ा करता है। व्यापारियों का आरोप है कि मंडी परिसर लंबे समय से असामाजिक तत्वों की गतिविधियों का केंद्र बना हुआ है। रात के समय संदिग्ध लोगों की आवाजाही लगातार बनी रहती है, लेकिन सुरक्षा व्यवस्था केवल कागजों तक सीमित दिखाई देती है। कई बार शिकायतें और ज्ञापन देने के बाद भी न तो निगरानी बढ़ाई गई और न ही चोरी की घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाया गया। मंडी क्षेत्र में इस बात की चर्चा भी तेज है कि चोरी और अव्यवस्थाओं में शामिल कुछ तत्वों को सत्तारूढ़ दल के कुछ चर्चित नेताओं का संरक्षण प्राप्त है। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन व्यापारिक वर्ग में इस प्रकार की चर्चाएं लगातार माहौल को गर्म कर रही हैं। दाल मिल ऑयल मिल अनाज व्यापारी संघ के अध्यक्ष नरेंद्र बजाज ने घटना पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि मंडी में लगातार चोरियां होना बेहद गंभीर विषय है। उन्होंने कहा कि यदि प्रशासन और मंडी प्रबंधन ने शीघ्र ठोस कार्रवाई नहीं की तो व्यापारी मंडी बंद करने के लिए बाध्य होंगे और उग्र आंदोलन किया जाएगा।

नरेंद्र बजाज ने कहा कि जब सीसीटीवी कैमरों में पूरी वारदात कैद हो रही है और उसके बावजूद चोरों के हौसले टूटने के बजाय बढ़ रहे हैं, तो यह साफ संकेत है कि सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह फेल हो चुकी है।

अब बड़ा सवाल यह है कि आखिर किसानों और व्यापारियों की मेहनत की उपज सुरक्षित कैसे रहेगी? क्या प्रशासन केवल घटनाओं के बाद औपचारिक कार्रवाई करता रहेगा, या फिर मंडी में सक्रिय चोरी के नेटवर्क और उन्हें संरक्षण देने वालों पर भी सख्त कार्रवाई होगी।

जबेरा में अव्यवस्थित यातायात

जबेरा। जबेरा नगर में लंबे समय से यातायात व्यवस्था दुरुस्त नहीं होने के कारण आए दिन छोटी-मोटी सड़क दुर्घटनाएं हो रही हैं। स्थानीय नागरिक लगातार पुलिस प्रशासन को अव्यवस्थित यातायात और सड़क किनारे बसों के खड़े होने की समस्या से अवगत कराते रहे हैं। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते व्यवस्था में सुधार नहीं किया गया तो किसी दिन बड़ा हादसा हो सकता है। इससे पहले भी नगर में गंभीर सड़क दुर्घटनाएं घटित हो चुकी हैं। ताजा मामला मंगलवार सुबह करीब 10 बजे का है। मुख्य सड़क मार्ग बस स्टैंड पर हटा-दमोह की ओर से आ रही एक बस सड़क पर खड़ी थी। इसी दौरान जबलपुर की ओर से आ रही दूसरी बस स्टैंड पर खड़ी बस को क्रॉस करने लगी। उसी समय बाइक पर सवार एक युवक और मासूम बच्चे बस चालक की नजर में नहीं आ सके और बस का पिछला हिस्सा बाइक पर चढ़ते चढ़ते बचा। घटना के दौरान तेज आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे जिससे बड़ा हादसा टल गया और मासूम बच्चों की जान बच गई। घटना की जानकारी मिलते ही थाना प्रभारी विकास सिंह चौहान पुलिस स्टाफ के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने बस एजेंटों और चालकों को सख्त समझाइश देते हुए सख्त निर्देश दिए कि नगर में बस स्टैंड के अलावा कहीं भी बस खड़ी न की जाए। थाना प्रभारी ने कहा कि सभी बसें केवल निर्धारित बस स्टैंड पर ही लगाई जाएं, अन्यथा संबंधित चालकों और बस संचालकों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने नगर में यातायात व्यवस्था सुधारने, सड़क किनारे अवैध रूप से खड़े वाहनों पर कार्रवाई करने और नियमित पुलिस निगरानी की मांग की गई है।

श्रीमद्भागवत कथा के दूसरे दिन राजा परीक्षित के प्रसंग सुन भाव-विभोर हुए भक्त

दमोह। श्री देव श्यामलाधीश प्यासी मंदिर डाक्टर केदारनाथ शर्मा आशीर्वाद गार्डन के पास चल रही श्रीमद्भागवत महापुराण ज्ञान यज्ञ कथा के दूसरे दिन कथा व्यास किशोरी वैष्णवी गर्ग जी जी ने राजा परीक्षित संवाद, शुकदेव जन्म सहित अन्य प्रसंग सुनाया। कथावाचिका ने शुकदेव परीक्षित संवाद का वर्णन करते हुए कहा कि एक बार परीक्षित महाराज वन में चले गए। उनको प्यास लगी तो समीक ऋषि से पानी मांगा। ऋषि समाधि में थे, इसलिए पानी नहीं पिला सके। परीक्षित ने सोचा कि साधु ने अपमान किया है। उन्होंने मरा हुआ सांप उठाया और समीक ऋषि के गले में डाल दिया। यह सूचना पास में खेल रहे बच्चों ने समीक ऋषि के पुत्र को दी। ऋषि के पुत्र ने शाप दिया कि आज से सातवें दिन तक्षक नामक सर्प आएगा और राजा को जलाकर भस्म कर देगा। समीक ऋषि को जब यह पता चला तो उन्होंने दिव्य दृष्टि से देखा कि यह तो महान धर्मात्मा राजा परीक्षित हैं और यह अपराध इन्होंने कलियुग के वशीभूत होकर किया है। समीक ऋषि ने जब यह सूचना जाकर परीक्षित महाराज को दी तो वह अपना राज्य अपने पुत्र जन्मेजय को सौंपकर गंगा नदी के तट पर पहुंचे। वहां बड़े ऋषि, मुनि देवता आ पहुंचे और अंत में व्यास नंदन शुकदेव वहां पहुंचे। कथा सुनकर श्रद्धालु मंत्रमुग्ध हो गए। कथा के दौरान धार्मिक गीतों पर श्रद्धालु जम कर झूमें। कथा में दूसरे दिन बड़ी संख्या में महिला-पुरूष श्रद्धालु मौजूद थे। कथा श्रोता डाक्टर केदारनाथ शर्मा श्री देव प्यासी मंदिर आशीर्वाद गार्डन के पास दमोह।